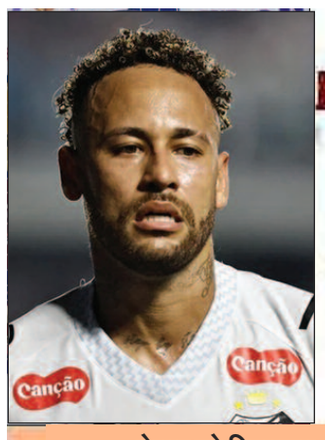

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

नेमार को विश्वकप फुटबॉल खेलने की उमीद -पेज: 7

अक्षय कुमार होस्ट करेंगे दुनिया का सबसे बड़ा गेम शो.. -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 256 | गुरुवार 25 दिसंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

एएपी को बड़ा झटका, चंडीगढ़ महापौर चुनाव से पहले दो पार्षद भाजपा में शामिल

नई दिल्ली एजेंसी: आम आदमी पार्टी (आप) की दो पार्षदों ने बुधवार को चंडीगढ़ महापौर चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गईं। सुमन देवी और पूनम देवी ने जनवरी में होने वाले महत्वपूर्ण चुनावों से पहले अपनी निष्ठा बदली। ऐसी अटकलें हैं कि दोनों पार्षद आज पंचकुला में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर सकती हैं। इसे भगवा पार्टी के पक्ष में एक बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है, क्योंकि वह चंडीगढ़ में महापौर पद पर पुनः नियंत्रण पाने के प्रयास कर रही है। भाजपा की हरप्रीत कौर बाबला चंडीगढ़ की मौजूदा महापौर हैं। उन्होंने 19 वोट हासिल करके चुनाव जीता। क्रॉस-वोटिंग के एक उल्लेखनीय उदाहरण के बाद बाबला को आम आदमी पार्टी-कांग्रेस गठबंधन से आगे निकलने में मदद मिली, जिसे केवल 17 वोट ही मिल सके।

मोदी कैबिनेट ने लिया बड़ा फैसला, राजधानी दिल्ली को धुएं और प्रदूषण से मुक्ति दिलाने वाली योजना को दी मंजूरी

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में जो निर्णय लिया गया, वह दिल्ली की दमघोंटू हवा के खिलाफ सीधी जंग का ऐलान है। हम आपको बता दें कि मोदी मंत्रिमंडल ने दिल्ली मेट्रो रेल परियोजना के चरण पांच ए को स्वीकृति देकर यह साफ कर दिया है कि अब राजधानी को यूं ही धुएं और जाम के हवाले नहीं छोड़ा जाएगा। बारह हजार पंद्रह करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली सोलह किलोमीटर लंबी इस नई मेट्रो विस्तार योजना में तेरह नए स्टेशन होंगे, जिनमें दस भूमिगत और तीन एलिवेटेड होंगे। इसके साथ ही दिल्ली मेट्रो नेटवर्क चार सौ किलोमीटर की ऐतिहासिक सीमा पार कर लेगा। यह वही दिल्ली है जहां रोजाना औसतन पैंसठ लाख लोग मेट्रो से सफर करते हैं और सड़कों

पर गाड़ियों का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इस परियोजना के तहत तीन नए गलियारे विकसित किए जाएंगे। पहला गलियारा रामकृष्ण आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ तक बनेगा, जो कर्तव्य भवन जैसे अहम प्रशासनिक क्षेत्र को सीधी मेट्रो कनेक्टिविटी देगा। दूसरा गलियारा एरोसिटी से एयरपोर्ट टर्मिनल एक को जोड़ेगा, जिससे दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल एक और तीन के बीच मेट्रो से सीधा संपर्क संभव होगा। तीसरा और सबसे रणनीतिक गलियारा तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज तक जाएगा, जो नोएडा और गुरुग्राम के बीच एक वैकल्पिक रास्ता देगा। इन तीनों गलियारों का साझा असर यह होगा कि सड़कों पर ट्रैफिक घटेगा, निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी और प्रदूषण के सबसे बड़े स्त्रोतों में से एक पर सीधा

जब तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज तक मेट्रो पहुंचेगी

मेट्रो का मतलब है हजारों कारें और दोपहिया वाहन सड़कों से गायब। मेट्रो का मतलब है ईंधन की बचत, धुएं में कमी और समय की बचत भी। जब तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज तक मेट्रो पहुंचेगी तो नोएडा से गुरुग्राम जाने वाला ट्रैफिक दिल्ली की सड़कों की बजाय पटरियों पर दौड़ेगा।

प्रहार होगा। अब जरा इस निर्णय को उस हकीकत के संदर्भ में देखिए, जहां हर सर्दी में दिल्ली गैस चेंबर बन जाती है। स्कूल बंद होते हैं, बुजुर्ग और बच्चे घरों में कैद हो जाते हैं और सरकारें बयानबाजी में उलझी रहती हैं। ऐसे में मेट्रो विस्तार का यह कदम किसी तात्कालिक उपाय जैसा नहीं, बल्कि दीर्घकालिक समाधान की बुनियाद है। मेट्रो का मतलब है हजारों कारें और दोपहिया वाहन सड़कों से गायब। मेट्रो का मतलब है ईंधन की बचत, धुएं में कमी और समय की बचत भी। जब तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज तक मेट्रो पहुंचेगी तो नोएडा से गुरुग्राम जाने वाला ट्रैफिक दिल्ली की सड़कों की बजाय पटरियों पर दौड़ेगा। यह भी याद रखना होगा कि भारत का मेट्रो नेटवर्क अब दुनिया में तीसरे स्थान पर है। 2014 में जहां केवल पांच शहरों में मेट्रो थी, आज छब्बीस शहर इससे जुड़ चुके हैं। औसत दैनिक यात्रियों की संख्या अट्ठाइस लाख से बढ़कर एक करोड़ पंद्रह लाख से अधिक हो चुकी है। यह आंकड़े सिर्फ विकास का बखान नहीं करते, बल्कि यह बताते हैं कि देश का आम नागरिक मेट्रो को अपना रहा है, उस पर भरोसा कर रहा है। दिल्ली में यह भरोसा और मजबूत होने जा रहा है। देखा जाये तो दिल्ली का वायु प्रदूषण कोई प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि वर्षों की नीतिगत शिथिलता और शहरी अव्यवस्था का नतीजा है। हर साल पराली, मौसम और पड़ोसी राज्यों पर दोष मढ़कर हाथ खड़े कर देना आसान रहा है। लेकिन सड़कों पर बढ़ती गाड़ियों, कमजोर सार्वजनिक परिवहन और बेतरतीब शहरी फैलाव पर चोट करने की हिम्मत कम ही दिखाई गई। आज का यह मेट्रो विस्तार निर्णय उसी हिम्मत की झलक है।

कुलदीप सिंह सेंगर की बेल पर भड़के राहुल गांधी, कहा- हम एक मृत समाज बनते जा रहे हैं

नई दिल्ली एजेंसी: 2017 के उन्नाव बलात्कार मामले में पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को जमानत मिलने के बाद, लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए इसे निराशाजनक और शर्मनाक बताया और पीड़िता के साथ हो रहे दुर्व्यवहार पर सवाल उठाए। उन्होंने आगे दावा किया कि भारत न केवल एक मृत अर्थव्यवस्था बनता जा रहा है, बल्कि ऐसी अमानवीय घटनाओं के कारण एक मृत समाज भी बनता जा रहा है। एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा, "क्या सामूहिक बलात्कार पीड़िता के साथ ऐसा व्यवहार उचित है? क्या न्याय के लिए आवाज उठाने का साहस

दिखाना उसकी 'गलती' है? उसके अपराधी (पूर्व भाजपा विधायक) को जमानत मिलना बेहद निराशाजनक और शर्मनाक है, खासकर तब जब पीड़िता को बार-बार परेशान किया जा रहा है और वह डर के साये में जी रही है।" गांधी ने चेतावनी देते हुए कहा, "बलात्कारियों को जमानत और पीड़ितों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार - यह किस तरह का न्याय है?" उन्होंने कहा कि ऐसे कृत्य न्याय व्यवस्था में जनता के विश्वास को कमजोर करते हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने आगे टिप्पणी की कि इस तरह की घटनाएं न केवल संस्थागत विफलता बल्कि गहरे नैतिक पतन का संकेत देती हैं। एक्स पर पोस्ट में लिखा था कि हम न केवल एक मृत अर्थव्यवस्था बनते जा रहे हैं, बल्कि ऐसी अमानवीय घटनाओं के कारण हम एक मृत समाज में भी तब्दील होते जा रहे हैं। लोकतंत्र में असहमति की आवाज उठाना एक अधिकार है और उसे दबाना एक अपराध है। पीड़िता को सम्मान, सुरक्षा और न्याय मिलना चाहिए - न कि बेबसी, भय और अन्याय। पीड़िता की मां ने आरोप लगाया कि जब उन्हें और उनकी दो बेटियों को सीआरपीएफ के वाहन में ले जाया जा रहा था, तो उन्हें अचानक सड़क किनारे उतार दिया गया और सुरक्षा गार्ड उनकी बेटियों को अपने साथ ले गए। उन्होंने आगे आरोप लगाया, हमें न्याय नहीं मिला... वे मेरी बेटी को बंदी बनाकर ले जा रहे हैं..

माफियाओं के सामने नतमस्तक थी पुरानी सरकार, सपा पर सीएम योगी का तंज, अब तेजी से काम हो रहा

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अगर कोई माफिया जबरन रिहायशी जमीन या सरकारी जमीन पर कब्जा करके मॉल या जबरन वसूली का अड्डा बनाता है और उसका इस्तेमाल अनैतिक और अवैध गतिविधियों को अंजाम देने के लिए करता है, तो उनके खिलाफ बुलडोजर का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोई भी इसे रोक नहीं सकता क्योंकि हर व्यक्ति के लिए सुरक्षा का माहौल जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि आज हर व्यक्ति कह सकता है कि उत्तर प्रदेश में बेहतर सुरक्षा माहौल के कारण निवेश आ रहा है। उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र को संबोधित करते

हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी से आग्रह किया कि वह मुख्य मुद्दे से ध्यान न भटकाए। उन्होंने घटना से जुड़े हालातों पर सवाल उठाते हुए पूछा कि काफिले को क्यों लूटा गया, और स्पष्ट जवाब और जवाबदेही की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि किसी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए एक स्पष्ट नीति और उसे लागू करने की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में अराजकता का तांडव था, अब तेजी से काम हो रहा। अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि पुरानी सरकार माफियाओं के सामने नतमस्तक थी। योगी ने कहा कि तभी सार्थक परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। इस प्रक्रिया के चार आयाम हैं, और यह समझना महत्वपूर्ण है कि सरकार ने इन चारों आयामों पर किस प्रकार कार्य किया है—चाहे वह किसी व्यक्ति, समाज या संस्था के लिए हो। सभी के लिए सर्वोपरि आवश्यकता सुरक्षा है। एक सुरक्षित वातावरण होना चाहिए, कानून का शासन होना चाहिए, और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सुरक्षा पर भरोसा होना चाहिए। हर बेटी और हर व्यापारी को सुरक्षित महसूस करना चाहिए। ऐसी सुरक्षा सुनिश्चित करना किसी भी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में डेढ़ एक्सप्रेसवे थे। आज उत्तर प्रदेश में 21 एक्सप्रेसवे हैं, और यदि सभी बाईस पूरे हो जाते हैं, तो अकेले उत्तर प्रदेश में देश के 60% एक्सप्रेसवे होंगे।

लोगों ने पहचान लिया कौन असली, कौन नकली, एकनाथ शिंदे ने महायुति की जीत पर पूरा भरोसा जताया

मुंबई एजेंसी: मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव नजदीक आने के साथ ही, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हाल ही में संपन्न स्थानीय निकाय चुनावों में गठबंधन की निर्णायक जीत के बाद महुयाती की जीत पर विश्वास जताया। स्थानीय निकाय चुनावों के परिणामों का हवाला देते हुए, उपमुख्यमंत्री शिंदे ने विपक्षी शिवसेना यूबीटी पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि लोगों ने पहचान लिया है कि कौन असली है और कौन नकली। पत्रकारों से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा नगर परिषदों और नगरपालिकाओं के हालिया चुनावों में महायुति गठबंधन ने बहुमत हासिल किया है। कुछ जगहों पर हमने अलग-अलग चुनाव लड़ा और कुछ जगहों पर साथ मिलकर, लेकिन अंतिम परिणाम देखने पर पता चलता है कि 75-80% सीटों पर महायुति को जीत मिली है। जनता ने

साफ कर दिया है कि असली कौन है और नकली कौन... वे लोग सिर्फ कुर्सी के लिए राजनीति कर रहे हैं। आगामी चुनावों में महायुति ही जीतेगी क्योंकि महायुति काम कर रही है, विकास कर रही है, इसलिए मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि मुंबई नगर निगम में महायुति ही जीतेगी। स्थानीय निकाय चुनाव 15 जनवरी को होने वाले बहुप्रतीक्षित राजनीतिक मुकाबले की तैयारी का संकेत देते हैं, जब बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी), पुणे नगर निगम और अन्य कई स्थानीय निकाय चुनावों सहित अनेक नगर निगमों के चुनाव होंगे। बीएमसी और अन्य निकायों के लिए मतदान 15 जनवरी को निर्धारित है, और मतगणना 16 जनवरी को होगी। गौरतलब है कि कई दशकों तक अविभाजित शिवसेना बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में एक प्रमुख राजनीतिक शक्ति रही है, और अक्सर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन में नगर निकाय का संचालन करती रही है।

राहुल प्रियंका ने क्या बनाई बीएमसी चुनाव प्रचार से दूरी? कांग्रेस स्टार कैंपेनर लिस्ट में कौन-कौन नाम शामिल?

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस ने महाराष्ट्र में आगामी नगर निगम चुनावों में पार्टी के लिए प्रचार करने वाले 40 प्रमुख प्रचारकों की सूची जारी की है। इस सूची में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, मोहम्मद अजहरुद्दीन, इमरान प्रतापगढ़ी और अभिनेता राज बब्बर के नाम शामिल हैं। पूर्व सांसद प्रिया दत्त, मुकुल वासनिक और पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण भी इन प्रमुख प्रचारकों में शामिल हैं। इस सूची पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा ने कहा कि इनमें से 10 प्रमुख प्रचारक एक विशेष धर्म से संबंधित हैं, जो धर्म आधारित वोट बैंक की राजनीति की ओर इशारा करता है। पार्टी ने स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी की। इसमें प्रभारी रमेश चेन्निथला, प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल, विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार, सासंद छत्रपति शाहू महाराज, विधान परिषद में ग्रुप लीडर विधायक सतेज उर्फ बंटी पाटिल, राष्ट्रीय महासचिव सांसाद मुकुल वासनिक, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, पृथ्वीराज चव्हाण, सचिन पायलट, कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य बालासाहेब थोरात, गोवा प्रभारी माणिकराव ठाकरे, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले, अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी, राज्यसभा सांसद चंद्रकांत हंडोरे, अखिल भारतीय कार्यसमिति सदस्य नसीम खान, अभिनेता एवं कांग्रेस नेता राज बब्बर, अखिल भारतीय कार्यसमिति सदस्य यशोमती ठाकुर, सांसद प्रणीति शिंदे, विधायक अमीन पटेल, पूर्व मंत्री डॉ. नितिन राउत, पूर्व मंत्री सुनील केदार, सांसद अमित देशमुख, सांसद डॉ. विश्वजीत कदम, विधायक भाई जगताप, अनीस अहमद

मोदी के मुरीद क्यों हुए बाबरी की नींव रखने वाले हुमायूं कबीर? वजह जानकर रह जाएंगे हैरान

बंगाल एजेंसी: बंगाल में हुमांयू कबीर ने लगातार टीएमसी की मुश्किलें बढ़ा रखी हैं। या फिर यूं कहें कि ममता बनर्जी की जमीन हिला कर रख दी है। अब हुमांयू कबीर की तरफ से एक ऐसा बयान सामने आया है जिसे सुनकर बंगाल सीएम परेशान हैं और टीएमसी में खलबली मची हुई है। दरअसल, ये वही हुमांयू कबीर हैं जिन्होंने बीते दिनों बाबरी मस्जिद बनाने का ऐलान किया। बकायदा बाबरी मस्जिद बनाने के लिए बंगाल में उसकी नींव भी रख दी। तमाम मुसलमानों को एकट्ठा किया गया। कई मौलाना भी उनके मंच पर खड़े नजर आए। विवाद भड़का ही था तभी ममता बनर्जी ने एक्शन लेते हुए हुमांयू कबीर को पार्टी से निकाल दिया। हुमांयू कबीर ने सीधे सीधे ममता बनर्जी को चुनौती दी कि कोई भी बंगाल में बाबरी मस्जिद बनने से नहीं रोक पाएगा। पूरे देश में हिंदुओं का खून खौल रहा था। जिस बाबर के नाम को अयोध्या से मिटाया गया।

उस बाबर का नाम लेकर बंगाल में हुमांयू कबीर ने एक नई राजनीति शुरू कर दी और सबसे अहम बात है कि ये राजनीति ममता बनर्जी पर ही भारी पड़ी। जितने भी मुसलमान बाबरी के नाम पर खुश हो रहे हैं और हुमांयू कबीर के करीब जा रहे हैं। हुमांयू कबीर ने नई पार्टी का ऐलान भी कर दिया। हुमांयू कबीर ने ममता बनर्जी की मुश्किलें बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। हुमांयू कबीर ने खुलकर पीएम मोदी की तारीफ कर दी है। उन्हें बेहतर नेता बताया है। कबीर ने कहा कि मेरे पसंदीदा नेताओं में इंदिरा गांधी थीं। इसके बाद राजीव गांधी, लेकिन वर्तमान में मुझे डॉक्टर मनमोहन सिंह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बहुत पसंद हैं। मुझे अल्लाह पर पूरा भरोसा है... मुझे किसी तरह का कोई डर नहीं है... एक दिन तो मरना ही है। प्रधानमंत्री देश का सबसे बड़ा चेयर है और उनका इज्जत देना चाहिए। उनके साथ मेरा कोई कंपेयर नहीं होना चाहिए। हुमांयू कबीर ने जो कहा वो हैरान कर देने वाला है। एक तरफ वो बाबरी मस्जिद बनाने की बात कर न सिर्फ हिंदुओं को चुनौती दे रहे हैं। बीजेपी को निशाने पर ले रहे हैं।

अमित शाह का ऐलान, भारत टैक्सी शुरू करेगी सरकार, जानें किसे होगा इसका लाभ

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि सरकार जल्द ही 'भारत टैक्सी' सेवा शुरू करेगी, जिसके तहत लाभ का कुछ हिस्सा चालकों के साथ साझा किया जाएगा। पंचकुला में सहकारी सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य ग्राहकों की सुविधा में सुधार के साथ-साथ चालकों की आय में वृद्धि करना है। अमित शाह ने कहा कि सहकारिता मंत्रालय की पहल के माध्यम से, हम जल्द ही 'भारत टैक्सी' शुरू करेंगे, जिसका पूरा लाभ चालक भाइयों को मिलेगा। इससे ग्राहकों की सुविधा बढ़ेगी और चालकों का लाभ भी बढ़ेगा। केंद्रीय मंत्री ने हरियाणा के राष्ट्र-उन्मुख योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राज्य ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने और खेल जगत में उत्कृष्टता हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने देश की खाद्य सुरक्षा और खेल उपलब्धियों में निरंतर योगदान दिया है, और राज्य के किसानों ने कई मोर्चों पर देश को गौरवान्वित किया है। शाह ने कहा कि हरियाणा ने हमेशा देश की खाद्य सुरक्षा और दुग्ध उत्पादन में योगदान दिया है और खेल के क्षेत्र में देश को कई पदक

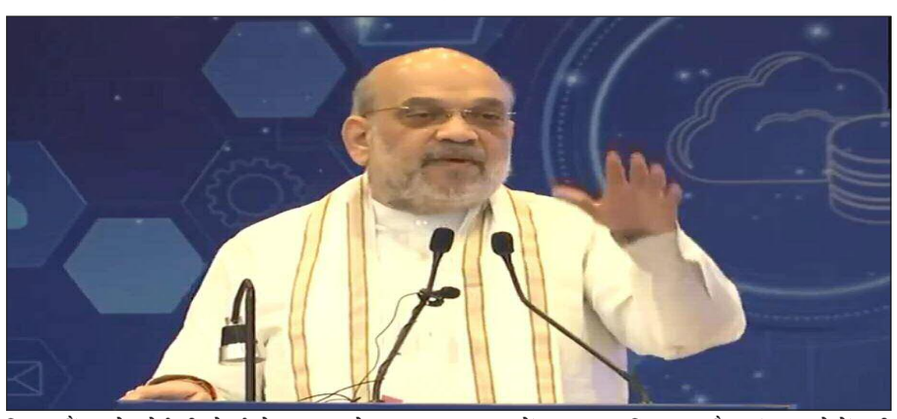

दिलाए हैं। चाहे कोई भी मोर्चा हो, हर मोर्चे पर हरियाणा के किसानों ने गर्व से भारत का तिरंगा फहराया है। शाह ने खाद्यान्न उत्पादन में भारत को आत्मनिर्भर बनाने और वैश्विक पहचान हासिल करने के लिए हरियाणा और पंजाब दोनों की सराहना की। राष्ट्रीय सुरक्षा में हरियाणा की भूमिका पर प्रकाश

केंद्रीय मंत्री ने हरियाणा के राष्ट्र-उन्मुख योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राज्य ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने और खेल जगत में उत्कृष्टता हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने देश की खाद्य सुरक्षा और खेल उपलब्धियों में निरंतर योगदान दिया है

डालते हुए शाह ने कहा कि छोटा राज्य होने के बावजूद, यह केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और तीनों सशस्त्र बलों में प्रति व्यक्ति सैनिकों की सबसे अधिक संख्या का योगदान देता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा और पंजाब ने देश को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाने और विश्व में सम्मान अर्जित करने का काम किया है। छोटा राज्य होने के बावजूद, हरियाणा की माताएँ मातृभूमि की रक्षा के लिए तीनों सशस्त्र बलों (सीएपीएफ) में जनसंख्या के अनुपात में सबसे अधिक सैनिक प्रदान करती हैं। उनकी बहादुरी के कारण ही भारत की सेनाएँ और सशस्त्र बल कई आक्रमणों को सफलतापूर्वक विफल करने में सक्षम हुए हैं। गृह मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पशुपालन, कृषि और सहकारी प्रणालियों को एकीकृत करके समृद्धि प्राप्त की जा सकती है, और कहा कि इन क्षेत्रों में सहयोग से आर्थिक विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा पशुपालन, कृषि और सहकारी समितियाँ - यदि इन तीनों को मिला दिया जाए, तो सहयोग के माध्यम से समृद्धि का सृजन किया जा सकता है। शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकारी खर्च में हुई वृद्धि पर भी प्रकाश डाला और बताया कि कृषि बजट 2014 में 22,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 1.27 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि ग्रामीण विकास बजट 80,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 1.87 लाख करोड़ रुपये हो गया।

संपादकीय

साइबर ठगी का जाल

शायद ही कोई दिन ऐसा जाता होगा जब कोई बुजुर्ग या आम लोग साइबर ठगी के शिकार न हुए हों। पिछले दिनों महाराष्ट्र में एक सेवानिवृत्त जज भी डिजिटल अरेस्ट स्कैम के शिकार हो गए। पिछले सप्ताह ऐसा ही एक अन्य दुखद मामला पुणे से सामने आया जब साइबरों ठगों ने एक 82 वर्षीय सेवानिवृत्त अधिकारी को डिजिटल हाउस अरेस्ट स्कैम में फंसाकर 1.19 करोड़ लूट लिए। कई दिन के मानसिक उत्पीड़न व आर्थिक क्षति से टूट गए वृद्ध की आखिर सदमे से मौत हो गई। यह विचारणीय पहलू है कि कैसे पढ़े-लिखे लोग साइबर ठगों की साजिश की गिरफ्त में आ जाते हैं। वैसे आम आदमी को साइबर ठगों व फर्जी फोन कॉल्स से बचाने के लिये पुख्ता व्यवस्था होना बेहद जरूरी है। आम लोगों की सुविधा व सुरक्षा के लिये सरकार के प्रयासों के बाद अब दूरसंचार विभाग ने मार्च 2026 में ऐसी व्यवस्था लागू करने के तैयारी की, जिसमें बिना ट्रू-कॉलर के खुद मोबाइल अवांछित फोन के प्रति सजग करेगा। नियामक संस्था ट्राई ने इस प्रस्ताव पर सहमति जतायी है। यह विडंबना ही कि जैसे-जैसे नई तकनीक आम आदमी के जीवन में सुविधा लाती है, वहीं असामाजिक तत्व उसे लूट-खसोट का हथियार बनाने में आगे निकल जाते हैं। देश में इंटरनेट सेवाओं के विस्तार और मोबाइल फोन की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के साथ ही साइबर अपराधों में खासी तेजी आई है। जरा सी चूक होने पर लाखों लोग, साइबर धोखाधड़ी में अपने जीवनभर की पूंजी कुछ ही क्षणों में गवां देते हैं। अपराधियों का संजाल इतना विस्तृत व रहस्यमय है कि प्रवर्तन एजेंसियां जब तक उन तक पहुंचती हैं, पैसा विदेशों में ट्रांसफर हो जाता है। इस संकट का एक पहलू अनजान नंबरों से आने वाली फोन कॉल्स होती हैं, जिसके जरिये अपराधी लोगों को भ्रमित कर जीवन की जमा पूंजी लूट लेते हैं। दरअसल, संचार क्रांति के चलते तमाम सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हुई हैं, लेकिन इस सुविधा के साथ पुरानी पीढ़ी साम्य नहीं बैठा पाती है। अब इसी चुनौती को दूर करने के लिये दूरसंचार विभाग आम उपभोक्ता को ऐसी सुविधा देने जा रहा है, जिसमें फोन करने वाले को पहचाना जा सकेगा। फोन पर कॉल करने वाले व्यक्ति का नाम लिखा नजर आएगा। फिर व्यक्ति अपनी सुविधा अनुसार फोन कॉल्स लेना तय कर सकता है। दूरसंचार नियामक ट्राई की मंजूरी के बाद इस दिशा में तेजी से काम हो रहा है। हालांकि, फोन करने वाले व्यक्ति की जानकारी जुटाने के कई ऐप अभी भी मौजूद हैं, लेकिन उनका उपयोग कुछ ही लोग कर पाते हैं। वैसे ऐसा निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि ऐप द्वारा दी जाने वाली सूचना सटीक है। ऐसे में यदि दूरसंचार विभाग की कोशिश सिरे चढ़ती है तो इससे करोड़ों उपभोक्ताओं को सुरक्षा कवच मिल पाएगा। पहले इस सुविधा का लेना मांग पर आधारित था, लेकिन बाद में तय किया गया कि यह सुविधा प्रत्येक मोबाइल उपयोगकर्ता को उपलब्ध करायी जाएगी।

चिंतन-मनन

ध्यान की तरंग

यहूदियों में एक कथा है कि जब कोई बच्चा पैदा होता है, तो देवता आते हैं और उस बच्चे के सिर पर हाथ फेरते हैं; ताकि वह भूल जाए उस सुख को, जो सुख परमात्मा के घर उसने जाना था, नहीं तो जिंदगी बड़ी कठिन हो जाएगी-दयावश ऐसा करते हैं वे, नहीं तो जिंदगी बड़ी कठिन हो जाएगी। अगर वह सुख याद रहे, तो बड़ी कठिन हो जाएगी जिंदगी, तुलना में। तुम फिर कुछ भी करो, व्यर्थ मालूम पड़ेगा। धन कमाओ, पद कमाओ, सुंदर से सुंदर पत्नी और पति ले आओ, अच्छे से अच्छे बच्चे हों, बड़ा मकान हो, कार हो, कुछ भी सार न मालूम पड़ेगा, अगर वह सुख याद रहे। तो यहूदी कथा कहती है कि एक देवता उतरता है करूणावश और हर बच्चे के माथे पर सिर्फ हाथ फेर देता है। उस हाथ के फेरते ही पर्दा बंद हो जाता है, उसे भूल जाता है परमात्मा। सुख भूल गया, फिर यह जीवन के दुखों में ही सोचने लगता है, सुख होगा। उस पर्दे को फिर से खोलना है, जो देवताओं ने बंद कर दिया है। मुझे तो नहीं लगता कि कोई देवता बंद करते हैं। देवता ?सी मूढ़ता नहीं कर सकते। लेकिन समाज बंद कर देता है। शायद कहानी उसी की सूचना दे रही है। मां-बाप, परिवार, समाज, स्कूल बंद कर देते हैं, पर्दे को डाल देते हैं। ?सा डाल देते हैं कि तुम भूल ही जाते हो कि यहां द्वार है, तुम समझने लगते हो दीवार है। ध्यान का अर्थ है, इस पर्दे को हटाना। और इसे अनायास होने दो इसे कभी-कभी तुम्हें पकड़ लेने दो- और जब तुम्हें यह तरंग पकड़े, तो लाख काम छोड़कर बैठ जाना।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

लोकनायक, राष्ट्र-द्रष्टा और भारतीयता के शिखरपुरुष

ललित गर्ग

भारत के आधुनिक इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जो केवल सत्ता या पद से नहीं, बल्कि अपने विचार, चरित्र और आचरण से राष्ट्र की चेतना को आकार देते हैं। भारतीय राजनीति का महानायक, भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता, भारत रत्न, प्रखर कवि, वक्ता और पत्रकार अटल बिहारी वाजपेयी ऐसे ही लोकनायक थे, जो राजनीति में रहते हुए भी राजनीति से बड़े दिखाई देते थे। उनकी 101वीं जन्म-जयंती केवल स्मरण का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन और संकल्प का क्षण है कि हम किस भारत का स्वप्न देखते हैं और उसे साकार करने में हमारी भूमिका क्या है? अटलजी की जन्म जयंती 25 दिसंबर को भारत सरकार प्रतिवर्ष सुशासन दिवस के रूप में मनाती है। अटलजी भारतीय राजनीति के दुर्लभ शिखर पुरुष थे, जिनमें विचार की दृढ़ता, व्यवहार की शालीनता और निर्णय की निर्भीकता एक साथ समाहित थी। वे सत्ता के शिखर पर भी विनम्र थे और विपक्ष की पंक्ति में भी गरिमामय। यही कारण है कि उन्हें केवल एक दल का नेता नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का नेता माना गया। वे ह्यअजातशत्रुह्ण इसलिए नहीं कहे गए कि उनके विरोधी नहीं थे, बल्कि इसलिए कि विरोध के बीच भी वे सम्मान और संवाद का सेतु बनाए रखते थे।

अटल बिहारी वाजपेयी ने राजनीति को केवल सत्ता-प्राप्ति का साधन नहीं माना, बल्कि उसे राष्ट्र-निर्माण की साधना बनाया। जब राजनीति अवसरवाद, कटुता और अविश्वास की गिरफ्त में थी, तब अटलजी ने उसे मूल्यों, मयार्दा और संवैधानिक आस्था से जोड़े रखा। वे सत्ता में रहते हुए भी लोकतंत्र के प्रति उतने ही प्रतिबद्ध थे, जितने विपक्ष में रहते हुए। अटलजी ने प्रखर राजनेता, अजातशत्रु, विचारक एवं समाज सुधारक एवं राष्ट्र-निमार्ता के रूप में न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हुए थे। अटलजी यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, नये भारत के निमार्ता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, वक्ता और नेता हैं, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं।

तीन बार प्रधानमंत्री रहना उनकी उपलब्धि नहीं, बल्कि उस भरोसे का प्रमाण है जो देश ने उनके चरित्र और दृष्टि पर किया। 1996 में अल्पमत की सरकार से लेकर 1999 में स्थिर गठबंधन सरकार तक की उनकी यात्रा यह दशार्ती है कि लोकतंत्र में संख्या से अधिक नैतिकता और नेतृत्व की विश्वसनीयता का महत्व होता है। संसद में उनका वह ऐतिहासिक वक्तव्य-ह्लसरकारें आएँगी-जाएँगी, लेकिन देश और लोकतंत्र रहना चाहिएह्व आज भी भारतीय राजनीति के लिए पाथेय है। अटलजी का सबसे निर्णायक योगदान भारत को रणनीतिक आत्मविश्वास दिलाने में रहा। 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षण केवल वैज्ञानिक या सैन्य उपलब्धि नहीं थे, वे भारत के आत्मसम्मान की उद्घोषणा थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत शांति का पक्षधर है, लेकिन अपनी सुरक्षा और संप्रभुता के प्रति किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगा। इन परीक्षणों के बाद जब वैश्विक दबाव और प्रतिबंधों का दौर आया, तब अटलजी का नेतृत्व और भी निखरकर सामने आया। उन्होंने न तो आक्रामकता दिखाई, न ही आत्मसमर्पण बल्कि धैर्य, संवाद और आत्मनिर्भरता के मार्ग पर चलते हुए देश को आर्थिक और कूटनीतिक रूप से सुदृढ़ किया। यही संतुलन उनके राजनेता होने की सबसे बड़ी पहचान है। अटल बिहारी वाजपेयी को केवल कठोर निर्णयों का नेता मानना अधूरा मूल्यांकन होगा। वे उतने ही बड़े शांति-दूत भी थे। पाकिस्तान के साथ संबंध सुधारने के लिए लाहौर बस यात्रा उनकी दूरदृष्टि का प्रतीक थी, जहाँ साहस, संवेदना और संवाद एक साथ चलते हैं। कारगिल युद्ध के समय भी उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मयार्दाओं का पालन करते हुए देश की सीमाओं की रक्षा की और दुनिया को भारत की जिम्मेदार शक्ति-छवि से परिचित कराया। अटलजी का विश्वास था कि युद्ध अंतिम विकल्प होना चाहिए, लेकिन जब राष्ट्र की अस्मिता पर आघात हो, तब निर्णायक कार्रवाई अनिवार्य है। यही सोच उन्हें यथार्थवादी आदर्शवादी बनाती है। विलक्षण प्रतिभा, राजनीतिक कौशल, कुशल नेतृत्व क्षमता, बेवाक सोच, निर्णय क्षमता, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के कारण कांग्रेस के सभी नेता उनका लोहा मानते रहे। वाजपेयीजी बेहद नम्र इंसान थे और वह अहंकार से कोसों दूर थे। उनके प्रभावी एवं बेवाक व्यक्तित्व से पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भी प्रभावित थे और उन्होंने कहा था कि अटलजी एक दिन भारत के प्रधानमंत्री जरूर बनेंगे। आज भारतीय जनता पार्टी की मजबूती का जो धरातल बना है, वह उन्हीं की देन है। वे भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक हैं। 1977 में जनता पार्टी सरकार में उन्हें विदेश मंत्री बनाया गया। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र संघ के अधिवेशन में उन्होंने हिंदी में भाषण दिया और वे इसे अपने जीवन का सबसे सुखद क्षण बताते थे। वे संसद में बहुत प्रभावशाली वक्ता के रूप में जाने जाते रहे हैं और महत्वपूर्ण मुद्दे पर उनके भाषण खासे गौर से सुने जाते रहे हैं, जो भारत के संसदीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है।

अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में भारत ने बुनियादी ढाँचे और तकनीक के क्षेत्र में नई छलांग लगाई। स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना, ग्रामीण सड़कों का विस्तार, दूरसंचार क्रांति और निजी क्षेत्र की सहभागिता-ये सब उस ह्यनए भारतह्ण की नींव थे, जिसकी कल्पना उन्होंने की थी। उन्होंने विकास को केवल आर्थिक आँकड़ों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे आम नागरिक के जीवन से जोड़ा। ह्यजय जवान, जय किसान, जय विज्ञानह्ण का नारा उनके समन्वित विकास-दर्शन को दशार्ता है, जहाँ सुरक्षा, कृषि और ज्ञान एक-दूसरे के पूरक हैं। यह नारा आज भी भारत की विकास-यात्रा का सूत्रवाक्य बन सकता है। अटल विहारी वाजपेयी ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय विदेश मंत्री व

प्रधानमंत्री- पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार बनाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया। पिछले कई दशकों में वह एक ऐसे नेता के रूप में उभरे जो विश्व के प्रति उदारवादी सोच और लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता को महत्व देते हैं।

अटल बिहारी वाजपेयी की सबसे बड़ी विशिष्टता यह थी कि वे सत्ता में रहते हुए भी संवेदनशील बने रहे। उनके भीतर का कवि कभी मरा नहीं। उनकी कविताएँ केवल साहित्य नहीं, बल्कि राष्ट्र के संघर्ष, आशा और आत्मबल की अभिव्यक्ति हैं। उनकी पंक्तियाँ निराशा में संबल देती हैं और चुनौती में साहस-ह्लहार नहीं मानूँगा,रार नहीं ठानूँगाह्व यह केवल कविता नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन है, जो व्यक्ति को भी प्रेरित करता है और राष्ट्र को भी। अटलजी का राष्ट्रवाद संकीर्ण नहीं था। वह समावेशी, सांस्कृतिक और मानवीय था। वे भारत की प्राचीन सभ्यता पर गर्व करते थे, लेकिन आधुनिकता से भयभीत नहीं थे। वे परंपरा और परिवर्तन के बीच सेतु थे। उनका हिंदुत्व आक्रामक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास से उपजा हुआ था, जो सबको साथ लेकर चलने की प्रेरणा देता है।

क्रिसमस : विश्व बंधुत्व का संदेश और खुशियों का ग्लोबल कार्निवल

दिलीप कुमार पाठक

क्रिसमस को भारत में आम तौर पर बड़े दिनों की शुरूआत मानते हैं, वहीं क्रिसमस पूरी दुनिया में ईसा मसीह के जन्म की खुशी में मनाया जाने वाला पर्व है, ये वैश्विक स्तर पर मनाया जाने वाला पर्व है जो विश्व बंधुत्व का संदेश देता है '

यह प्रत्येक वर्ष 25 दिसम्बर को मनाया जाता है और इस दिन लगभग संपूर्ण विश्व में अवकाश रहता है। क्रिसमस शब्द का जन्म क्राईस्टेस माइसे या क्राइस्टस मास शब्द से हुआ है। ऐसा अनुमान है कि पहला क्रिसमस रोम में 336 ई. में मनाया गया था। यह गॉड के पुत्र जीसस क्राइस्ट के जन्म दिन को याद करने के लिए मनाया जाता है। यह ईसाइयों के सबसे महत्त्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। अब तो क्रिसमस, भारत में भी खासा लोकप्रिय हो गया है क्योंकि बच्चों को सेंटाक्लॉज खूब पसंद है ' सेंट बेनेडिक्ट उर्फ , सेंटाक्लॉज लाल रंग व सफेद रंग ड्रेस पहने हुए, एक वृद्ध मोटा पौराणिक चरित्र है, जो रेन्डियर पर सवार होता है, तथा समारोहों में, विशेष कर बच्चों के लिए एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वह बच्चों को प्यार करता है तथा उनके लिए चाकलेट, उपहार व अन्य वांछित वस्तुएँ लाता है, जिन्हें वह संभवतः रात के समय उनके जुराबों में रख देता है।

क्रिसमस के दौरान गॉड की प्रशंसा में लोग कैरोल गाते हैं। वे प्यार व भाईचारे का संदेश देते हुए घर-घर जाते हैं। क्रिसमस ट्री अपने वैभव के लिए पूरे विश्व में लोकप्रिय है। लोग अपने घरों को पेड़ों से सजाते हैं तथा हर कोने में मिसलटों को टांगते हैं। चर्च मास के बाद, लोग मित्रवत रूप से एक दूसरे के घर जाते हैं तथा दावत करते हैं और एक दूसरे को शुभकामनाएं व उपहार देते हैं। वे शांति व भाईचारे का संदेश फैलाते हैं। क्रिसमस समारोह अर्धरात्रि के समय के बाद, जिसे समारोह का एक अनिवार्य भाग माना जाता है, शुरू होते हैं। सुंदर रंगीन वस्त्र पहने बच्चे ड्रम्स, झांझ-मंजीरों के आर्केस्ट्रा के साथ चमकीली छडियां लिए हुए सामूहिक नृत्य करते हैं।

वहीं क्राइस्ट के जन्म के संबंध में नए टेस्टामेंट के अनुसार व्यापक रूप से स्वीकार्य ईसाई पौराणिक कथा है। इस कथा के अनुसार गॉड ने मैरी नामक एक कुंवारी लड़की के पास गैब्रियल नामक देवदूत भेजा। गैब्रियल ने मैरी को बताया कि वह गॉड के पुत्र को जन्म देगी तथा बच्चे का नाम जीसस रखा जाएगा। वह बड़ा होकर राजा बनेगा, तथा उसके राज्य की कोई सीमाएँ नहीं होंगी। देवदूत गैब्रियल, जोसफ के पास भी गया और उसे बताया कि मैरी एक बच्चे को जन्म देगी, और उसे सलाह दी कि वह मैरी की देखभाल करे, जिस रात को जीसस का जन्म हुआ, उस समय लागू नियमों के अनुसार अपने नाम पंजीकृत कराने के लिए मैरी और जोसफ बेथलेहेम जाने के लिए रास्ते में थे। उन्होंने एक अस्तबल में शरण ली, जहाँ मैरी ने आधी रात को जीसस को जन्म दिया तथा उसे एक नाँद में लिटा दिया। इस प्रकार गॉड के पुत्र जीसस का जन्म हुआ, ऐसी कहानियां प्रचलित हैं ' आज जिस तरह मसीह समुदाय के लोग घर में क्रिसमस ट्री सजाते हैं, उसका श्रेय जर्मनी के मार्टिन लूथर को जाता है। ऐसा कहा जाता है कि क्रिसमस की पूर्व संध्या में मार्टिन लूथर यूं ही बाहर घूम रहे थे और आकाश में चमकते सितारों को देख रहे थे। जो फर के वृक्षों की डालियों में से बहुत ही सुंदर दिखाई दे रहे थे। घर आकर उन्होंने यह बात अपने परिवार को बताई और कहा कि इस तारे ने मुझे ईसा मसीह के जन्म को स्मरण कराया। इसके लिए वे एक फर वृक्ष की डाल घर में लेकर आए और उसे मोमबत्तियों से सजाया। ताकि उनका परिवार उनके इस अनुभव को महसूस कर सके। अतः घर के अंदर क्रिसमस ट्री सजाने की परंपरा की शुरूआत मार्टिन लूथर के द्वारा ही मानी जाती है। कहा जाता है कि क्रिसमस और न्यू ईयर के सेलिब्रेशन में सदाबहार वृक्ष का उपयोग पहली बार लत्विया की राजधानी रिगा के टाउन स्क्वेयर में किया गया।

पहले के समय में क्रिसमस ट्री गमले में रखने की जगह घर की सीलिंग से लटकाए जाते थे। फर के अलावा लोग चैरी के वृक्ष को भी क्रिसमस ट्री के रूप में सजाते थे। अगर लोग क्रिसमस ट्री को लेने में सक्षम नहीं होते थे तब वे लकड़ी के पिरामिड को एप्पल और अन्य सजावटों से इस प्रकार सजाते थे कि यह क्रिसमस ट्री की तरह लगे क्योंकि क्रिसमस ट्री का आकार भी पिरामिड के जैसा ही होता है। आज क्रिसमस ट्री के नाम पर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई को रोकने के लिए बाजारों में कृत्रिम क्रिसमस ट्री भी उपलब्ध हैं। बाजारों में सजे और बिना सजे दोनों प्रकार के क्रिसमस ट्री मौजूद हैं। जिन्हें हम अपनी इच्छा और क्षमता के अनुसार खरीद सकते हैं और क्रिसमस सेलिब्रेशन को शानदार व यादगार बना सकते हैं।

अरावली पर मड़राते संकट के काले बादल

आदिकाल में जब स्वयं श्रृजनकर्ता द्वारा धरती का श्रृजन की,जब इंसान का नामो-निशान तक नहीं था,तब अरावली पर्वत खड़ा हुआ...कहा जाता है,आज से लगभग करोड़ों वर्षों पहले,धरती की कोख फटी, और अरावली जन्म हुआ था।यह कोई साधारण पहाड़ नहीं था,यह धरती की ढाल था।समय का चक्र निरंतर घुमते रहें,राजा महाराजे आए,साम्राज्य मिटे,रेगिस्तान फैलने को आतुर हुआ,लेकिन समाने अरावली चट्टान बनकर खड़ा रहा।इसने आँधियों को रोका,बाढ़ को थामा,जमीन के नीचे पानी को ज़िंदा रखा।अरावली पर संकट के काले बादल मंडरा रहे है।अरावली खामोश होकर सवाल पूछ रहा है --अगर मेरी ऊँचाई 100 मीटर से कम है,तो क्या मेरी जरूरत भी कम हो गई?,मैं ऊँचा नहीं,लेकिन अमर हूँ।मैं बूढ़ा हूँ,पर कमजोर नहीं।जो पहाड़ करोड़ों सालों से खड़ा है,वो आज मशीनों से डर काँप रहा है।अगर आज तुमने हमको खो दिया तो आने वाली,पीढ़ियाँ तुमसें पूछेंगी तुम्हें बचाने वाला कोई नही था,अरावली पर्वतमाला केवल एक भौगोलिक संरचना नहीं है,बल्कि भारतीय उपमहाद्वीप की सबसे प्राचीन प्राकृतिक विरासतों में से एक है।आज जब विकास और निर्माण के नाम पर अरावली की पहाड़ियों को काटने,समतल करने और ह्लकम ऊँचाईह्व के तर्क से बाहर करने की कोशिशें हो रही हैं।भूवैज्ञानिक दृष्टि से अरावली पर्वतमाला का निर्माण आज से लगभग 150 से 200 करोड़ वर्ष पहले हुआ माना जाता है।यह काल पृथ्वी के इतिहास का वह चरण था जब उसकी पपड़ी स्थिर हो रही थी और महाद्वीप आकार ले रहे थे।अरावली का संबंध प्रोटेरोजोइक युग से जोड़ा जाता है,जब भारतीय भू-प्लेट स्वतंत्र रूप से अस्तित्व में थी।यह पर्वतमाला प्राचीन विवर्तनिक गतिविधियों,चट्टानों के उत्थान और लंबे क्षरण की प्रक्रिया का परिणाम है।यही कारण है कि आज अरावली ऊँची नहीं दिखती–करोड़ों वर्षों के प्राकृतिक क्षरण ने इसे अपेक्षाकृत नीचा कर दिया है। लेकिन इसकी उम्र और संरचना ही इसकी सबसे बड़ी ताकत है।हिमालय की तुलना में अरावली कहीं अधिक पुरानी है।हिमालय का निर्माण लगभग 5झ्र6 करोड़ वर्ष पहले हुआ,जबकि अरावली उससे कई गुना अधिक प्राचीन है।इस तथ्य से यह स्पष्ट होता है कि अरावली केवल वर्तमान का नहीं,बल्कि पृथ्वी के भूवैज्ञानिक इतिहास का जीवित प्रमाण है।इतनी प्राचीन संरचना का नष्ट होना केवल पर्यावरणीय क्षति नहीं,बल्कि वैश्विक वैज्ञानिक विरासत का नुकसान भी है।

इतिहास की दृष्टि से भी अरावली का महत्व कम नहीं रहा।प्राचीनकाल से ही अरावली क्षेत्र मानव बसावट के लिए अनुकूल रहा है।इसके आस पास जल,वन और खनिज संसाधनों की उपलब्धता ने सभ्यताओं को पनपने में मदद की।राजस्थान के मेवाड़,मारवाड़ और आसपास के क्षेत्रों में विकसित सामाजिक और राजनीतिक संरचनाओं में अरावली की भूमिका केंद्रीय रही है।इस पर्वतमाला ने न केवल प्राकृतिक सीमाओं का काम किया,बल्कि क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने में भी योगदान दिया मध्यकालीन भारत में अरावली की सामरिक भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही।कई राजपूत राज्यों ने अपनी सुरक्षा और रणनीतिक लाभ के लिए अरावली की पहाड़ियों का उपयोग किया।किले, दुर्ग और बस्तियाँ इसी पर्वतमाला के सहारे विकसित हुईं।अरावली ने आक्रमणों से रक्षा,जल स्त्रोतों के संरक्षण और कृषि संतुलन में ऐतिहासिक योगदान दिया।यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि अरावली के बिना राजस्थान का सामाजिक और राजनीतिक इतिहास वैसा नहीं होता जैसा हम आज जानते हैं।आधुनिक संदर्भ में अरावली का महत्व और भी व्यापक हो जाता है।यह पर्वतमाला थार मरुस्थल और उत्तर भारत के घनी आबादी वाले क्षेत्रों के बीच एक प्राकृतिक अवरोध के रूप में कार्य करती है। वैज्ञानिक अध्ययनों और सरकारी रिपोर्टों में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि अरावली मरुस्थलीकरण की गति को नियंत्रित करने में निर्णायक भूमिका निभाती है। यदि यह पर्वतमाला कमजोर होती है,तो रेगिस्तान का विस्तार केवल राजस्थान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक इसके प्रभाव दिखाई देंगे।जल संरक्षण के संदर्भ में अरावली की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।यह क्षेत्र वर्षा जल को रोककर उसे धीरे-धीरे भूमि में समाहित करने में सहायक होता है,जिससे भूजल पुनर्भरण संभव होता है।नीति आयोग और केंद्रीय जल आयोग सहित कई संस्थाओं ने उत्तर-पश्चिम भारत में जल संकट के लिए प्राकृतिक जल-संरचनाओं के क्षरण को जिम्मेदार ठहराया है। अरावली का विनाश इसी संकट को और गहरा करेगा।दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र आज जिस जल संकट,हीटवेव और वायु प्रदूषण से जूझ रहा है, उसके पीछे अरावली के क्षरण की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता।अरावली क्षेत्र की वनस्पति धूल और गर्म हवाओं को रोकने में सहायक होती है।इसके जंगल प्राकृतिक कार्बन सिंक की तरह कार्य करते हैं। इनका नष्ट होना सीधे तौर पर वायु गुणवत्ता और तापमान संतुलन को प्रभावित करता है।इसी कारण सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रीय हरित अधिकरण (ठत्रळ)ने अपने कई निर्णयों में अरावली के संरक्षण पर जोर दिया है।सर्वोच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट किया है कि पर्यावरण संरक्षण संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन के अधिकार से जुड़ा विषय है।अदालतों ने यह भी माना है कि अरावली में अनियंत्रित खनन और निर्माण गतिविधियाँ न केवल पर्यावरणीय क्षति पहुँचाती हैं,बल्कि मानव जीवन और स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न करती हैं।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने अपने आदेशों में बार-बार कहा है कि अरावली की पर्यावरणीय उपयोगिता उसकी ऊँचाई से नहीं, बल्कि उसकी पारिस्थितिक भूमिका से तय होती है।इसके बावजूद हाल के वर्षों में नीतिगत स्तर पर यह तर्क उभर रहा है कि 100 मीटर से कम ऊँचाई वाली पहाड़ियों को पर्यावरणीय संरक्षण की आवश्यकता नहीं है।यह तर्क न केवल वैज्ञानिक रूप से गलत है, बल्कि न्यायिक और ऐतिहासिक समझ के भी विपरीत है।नीति आयोग की रिपोर्टें भी इस संदर्भ में गंभीर चेतावनी देती हैं।आयोग ने स्पष्ट किया है कि भारत के सामने जल संकट और जलवायु परिवर्तन सबसे बड़े दीर्घकालिक खतरे हैं।उत्तर-पश्चिम भारत में इस संकट को नियंत्रित करने के लिए अरावली जैसी प्राकृतिक संरचनाओं का संरक्षण अनिवार्य है।इसके बावजूद यदि अल्पकालिक आर्थिक लाभ के लिए इन संरचनाओं को कमजोर किया जाता है, तो यह भविष्य के साथ अन्याय होगा।

विकास की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता,लेकिन विकास का अर्थ प्रकृति का विनाश नहीं हो सकता।सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णयों में ह्लसतत विकासह्व के सिद्धांत को बार-बार दोहराया है। इसका अर्थ स्पष्ट है–विकास ऐसा हो जो वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा करे,बिना भविष्य की पीढ़ियों की संभावनाओं को नष्ट किए।अरावली का विनाश इस सिद्धांत का सीधा उल्लंघन है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि अरावली स्वयं अपना पक्ष रखने में सक्षम नहीं है।वह न तो अदालत में याचिका दायर कर सकती है,न नीति आयोग की बैठकों में अपनी भूमिका समझा सकती है।उसकी रक्षा का दायित्व राज्य,संस्थाओं और समाज पर है।यदि आज निर्णय केवल नक्शों,फाइलों और तात्कालिक लाभ के आधार पर लिए जाएंगे,तो उनका परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा।अंततः प्रश्न अरावली के अस्तित्व का नहीं,बल्कि हमारी दूरदर्शिता का है। क्या हम उस पर्वतमाला को नष्ट करने का अधिकार रखते हैं,जिसने करोड़ों वर्षों तक भूगर्भीय परिवर्तन झेले,सभ्यताओं को संरक्षण दिया और आज भी जीवन को संभव बनाए हुए है? यदि इस प्रश्न का उत्तर ईमानदारी से खोजा जाए,तो अरावली के संरक्षण के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता।अरावली को बचाना किसी भावनात्मक अपील का विषय नहीं है।यह वैज्ञानिक, ऐतिहासिक और संवैधानिक आवश्यकता है।यदि आज इस दिशा में ठोस और सख़्त निर्णय नहीं लिए गए,तो भविष्य में जल संकट, मरुस्थलीकरण और जलवायु आपदाओं के लिए कोई भी नीति या अदालत जिम्मेदारी से नहीं बच पाएगी।

स्पोर्ट्स स्टेडियम माली खेड़ा में दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के स्पोर्ट्स स्टेडियम माली खेड़ा अमरोहा में सांसद खेल महोत्सव 2025 फिट युवा फार विकसित भारत मिशन के अन्तर्गत दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सांसद खेल स्पर्धा प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, कबड्डी, वॉलीबॉल, फुटबॉल , कुश्ती, जूडो , भारोत्तोलन और बैडमिंटन प्रतियोगिताओं सहित 08 विभिन्न खेल स्पधाएँ आयोजित की गईं। अमरोहा,नौगावां सादात, हसनपुर, धनौरा और गढ़ विधानसभा के 700 खिलाड़ियों के जोश, अनुशासन और खेल भावना ने दर्शकों को खूब प्रभावित किया। आयोजन स्थल पर खिलाड़ियों के लिए सभी आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई थी। जिला क्रीड़ा अधिकारी ने मुख्य अतिथि माननीय सांसद कंवर सिंह तंवर को बुकें भेंटकर एवं बैज लगाकर स्वागत किया। जिला युवा कल्याण अधिकारी ऋषि कुमार ने अन्य अतिथियों भाजपा जिला अध्यक्ष उदय गिरि गोस्वामी, युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष सुभम चौधरी , जिला उपाध्यक्ष कैलाश चंद्र त्यागी , गजरौला ब्लाक प्रमुख मीनाक्षी चौधरी, अमरोहा ब्लाक प्रमुख गुरेन्द्र सिंह, हसनपुर ब्लाक प्रमुख गुर्जर का बुके भेंट कर और बैज लगाकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ती है तथा स्वस्थ एवं अनुशासित समाज के निर्माण में सहायता मिलती है। उन्होंने प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भविष्य में आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएँ दीं। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। आयोजन की सफलता में आयोजक समिति, खेल अधिकारियों, निर्णायकों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगी स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा। जिला स्तरीय सांसद खेल महोत्सव का यह आयोजन खेल प्रतिभाओं को निखारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। इस अवसर पर एथलेटिक्स एसोशिएशन के अध्यक्ष पी सी त्यागी, जिला ओलंपिक संघ के सचिव डॉ.एम पी शर्मा जी आदि रहे। प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल में डॉ 0 संजीव कुमार चौहान, चन्द्र मणि शर्मा, देवेन्द्र सिंह, मनीष कुमार त्यागी, मुनेन्द्र सिंह यादव, सुशील कुमार शर्मा, राजकुमार सिंह सचिन पाल रनदीप सिंह सुनील भाटी, सुमित यादव, सुश्री आंचल, साक्षी तोमर, बक्शिन्दर सिंह, पुरजीत सिंह राजदीप सिंह अनिल कुमार दुष्यन्त कुमार रहे। जूनियर फुटबॉल बालक वर्ग का फाइनल गढ़ विधानसभा और अमरोहा विधान सभा के बीच हुआ जिसमें अमरोहा ने गढ़ विधानसभा को 01-00 से हराकर कर फाइनल मैच जीत लिया। शेष सभी खेल प्रतियोगिताओं के क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल मैच खेले गए। फाइनल मैच कल खेले जायेंगे।

एडीएम न्यायिक ने की अध्यक्षता में हुई जिला उद्योग और सीएम युवा उद्यमी विकास योजना की समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निदेर्शों के क्रम में अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में जिला उद्योग बंधु एवं सीएम युवा उद्यमी योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित प्रकरणों का निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापरक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। अपर जिलाधिकारी ने सीएम युवा उद्यमी विकास योजना की समीक्षा करते हुए सभी बैंक प्रतिनिधियों को निर्देश देते हुए कहा कि योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न की जाए। उन्होने निर्देश दिए कि बैंक अधिक से अधिक ऋण को स्वीकृत कराएं। सभी बैंकों एवं उद्योग केंद्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि इस महत्वकांक्षी योजना में फोकस करते हुए कार्य में तेजी लाएं। उन्होने कहा कि सभी बैंकों में प्राप्त आवेदन पत्रों के सापेक्ष यथाशीघ्र ऋण वितरण की कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि उद्योग बंधुओं से जुडे कार्यों को शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर करें। इस अवसर पर डीसी डीआईसी सहित उद्यमीगण, विभिन्न बैंको के प्रतिनिधि एवं संबंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

साइबर ठगी का शिकार हुए युवक को धनौरा पुलिस ने वापस कराए 40 हजार रुपए

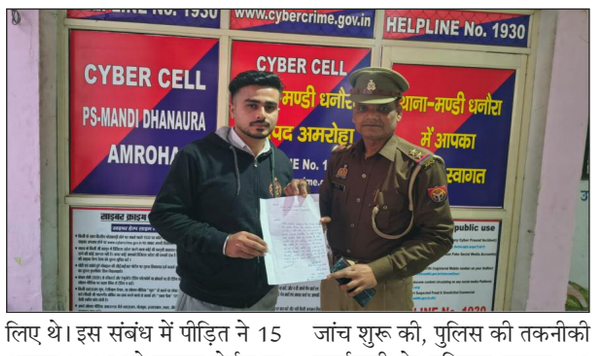

मंडी धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- थाना क्षेत्र में साइबर ठगी का शिकार हुए एक युवक को पुलिस ने 40 हजार रुपए वापस कराए हैं जिससे पीड़ित युवक ने अपनी खुशी का इजहार करते हुए धनौरा पुलिस का आभार व्यक्त किया है। बता दें कि थाना मंडी धनौरा क्षेत्र में साइबर ठगी का शिकार हुए एक व्यक्ति को पुलिस ने बड़ी राहत दी है। पुलिस ने पीड़ित के बैंक खाते से धोखाधड़ी कर निकाले गए 40 हजार रुपए वापस करा दिए हैं। पुलिस के मुताबिक क्षेत्र के गांव वालीपुर निवासी अनिरुद्ध सिंह के बैंक खाते से एक अज्ञात व्यक्ति ने धोखाधड़ी कर 40 हजार रुपए ट्रांसफर कर लिए थे। इस संबंध में पीड़ित ने 15 अगस्त 2025 को साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी, शिकायत मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देश पर थाना धनौरा साइबर सेल और जनपद साइबर सेल की टीम ने मामले की जांच शुरू की, पुलिस की तकनीकी कार्यवाही के परिणाम स्वरुप 19 दिसंबर 2025 को पूरी धनराशि पीड़ित के बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कर दी गई, अपनी रकम वापस मिलने पर अनिरुद्ध सिंह ने थाना धनौरा में पहुंचकर साइबर सेल टीम को धन्यवाद दिया और पुलिस की कार्यशैली की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया ।उन्होंने विशेष रूप से धनोरा थाना प्रभारी बालेंद्र कुमार और एसएसआई सतीश कुमार सहित समस्त पुलिस स्टाफ का आभार जताया ।इस घटना के मद्देनजर पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे अपने बैंक खाते से संबंधित जानकारी ओटीपी और पासवर्ड किसी के साथ साझा ना करें। साथ ही अनजान लिंक या ऐप पर भुगतान करने से पहले सावधानी बरतने की सलाह दी ताकि साइबर ठगी से बचा जा सके।

जिला अस्पताल में मरीजों को मिल रही बेहतर सुविधाएं, सीएमएस डॉ. एके भंडारी के प्रयास सराहनीय

अमरोहा (सब का सपना):- जिला अस्पताल अमरोहा में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. एके भंडारी के नेतृत्व में मरीजों के हित में कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। डॉ. भंडारी ने अस्पताल का कार्यभार संभालते ही व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया, जिससे अब मरीजों को 24 घंटे सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। डॉ. भंडारी ने बताया कि अस्पताल में निशुल्क सीटी स्कैन की सुविधा शुरू की गई है, जिससे मरीजों को बाहर जाकर महंगे टेस्ट कराने की जरूरत नहीं पड़ती। साथ ही, लंबी लाइनों की समस्या भी खत्म हो गई है। अस्पताल में महिला और पुरुष वार्डों के लिए अलग-अलग अल्ट्रासाउंड तथा एक्स-रे की व्यवस्था है। पैथोलॉजी लैब भी पूरी तरह संचालित हो रही है, जहां सभी तरह के जांच रिपोर्ट जल्दी उपलब्ध कराई जा रही हैं ।पहले मरीजों को विभिन्न जांचों के लिए लंबी कतारों में घंटों इंतजार करना पड़ता था, लेकिन अब यह परेशानी दूर हो चुकी है। सभी वार्डों में नर्सें दिन-रात ड्यूटी पर तैनात हैं, जिससे मरीजों को तत्काल देखभाल मिल रही है। अस्पताल के डॉक्टर और स्टाफ मरीजों को बेहतर इलाज प्रदान करने में जुटे हुए हैं ।इसके अलावा, अस्पताल परिसर में रोजाना साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे स्वच्छता के मानक ऊंचे हो गए हैं और अस्पताल का माहौल चार चांद लगा रहा है। डॉ. भंडारी के इन प्रयासों से जिला अस्पताल अब क्षेत्र के मरीजों के लिए विश्वसनीय स्वास्थ्य केंद्र बनता जा रहा है। स्थानीय लोगों ने इन सुधारों की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि आगे भी ऐसी व्यवस्थाएं जारी रहेंगी।

परिवहन प्रवर्तन अधिकारी ने अनाधिकृत संचालन करने वाली कुल 10 बसों को सीज कर किया चालान

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निर्देश पर परिवहन विभाग अनाधिकृत यात्री वाहनों के खिलाफ कड़ा अभियान चला रहा है। यह अभियान बीती कल से जारी है और आज भी पूरे जोर-शोर से चलाया गया। एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा के नेतृत्व में दो टीमों का गठन किया गया। पहली टीम का संचालन स्वयं महेश शर्मा ने किया, जबकि दूसरी टीम पीटीओ सुधीर सिंह के साथ तैनात की गई। आज अभियान मुख्य रूप से जिले के राष्ट्रीय राजमार्गों पर केंद्रित रहा। ब्रजघाट बॉर्डर से हसनपुर रोड, जोया टोल प्लाजा से मुरादाबाद बॉर्डर तथा धनौरा रोड पर विशेष चेकिंग की गई। इस दौरान अनाधिकृत संचालन करने वाली कुल 10 बसों को सीज कर चालान किया गया। सीज वाहनों को गजरौला और अमरोहा रोडवेज बस स्टैंड में रखा गया ।साथ ही, घने कोहरे के मौसम को ध्यान में रखते हुए वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप की जांच भी की गई। इस नियम का उल्लंघन करने पर 20 वाहनों के खिलाफ चालान और सीज की कार्रवाई हुई। ओवरलोडिंग के मामले में भी 4 वाहनों को सीज किया गया ।इस सख्त कार्रवाई से चालकों और वाहन मालिकों में हड़कंप मच गया। कुछ चालक वाहनों को तेज गति से भगा कर भागने का प्रयास करने लगे, तो कुछ हाईवे छोड़कर संकरी सड़कों पर मुड़ गए। लेकिन प्रवर्तन टीमों ने सूझबूझ और सावधानी से सभी को रोका और कार्रवाई पूरी की। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा, ताकि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस ने छात्राओं एवं महिलाओं को किया जागरूक

मंडी धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के तहत शहर के विभिन्न स्कूलों में छात्राओं एवं महिलाओं को जागरूक किया गया इस दौरान पुलिस ने महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा के बारे में उन्हें विस्तार से जानकारी दी साथ ही पत्रक भी वितरित किए। बता दें कि पुलिस द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वावलंबन को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में छात्राओं को महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया गया, उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई, इसमें वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, सहित अन्य कई योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत सरकार की विभिन्न आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों के बारे में भी महिलाओं एवं छात्रों को विस्तार से जानकारी दी गई, छात्राओं और ग्रामीण महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया उन्हें साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 और पुलिस हेल्पलाइन नंबर 1090 ,112 ,181 एवं 1098 की जानकारी दी गई ताकि वे अपनी सुरक्षा के प्रति सदैव सचेत रह सके। इस अवसर पर मंडी धनौरा थाना प्रभारी बालेंद्र कुमार ,मिशन शक्ति प्रभारी मोनिका तोमर के साथ दीक्षा शर्मा ,हेमलता और अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

ट्रैफिक ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी की बाइक चोरी, चोर का हेलमेट न पहनने का कट गया चालान

अमरोहा (सब का सपना):- शहर में एक अजीबोगरीब घटना सामने आई है, जहां सड़क पर ड्यूटी दे रहे एक यातायात पुलिस सिपाही की मोटरसाइकिल चोरी हो गई। लेकिन हैरानी की बात यह है कि चोरी की इसी बाइक पर चोर को ट्रैफिक नियम उल्लंघन का चालान कट गया, जो मालिक के फोन पर पहुंच गया। घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि ट्रैफिक पुलिस के सिपाही अतुल शर्मा, पुत्र कृष्ण कुमार शर्मा, ड्यूटी पर तैनात थे। उनकी मोटरसाइकिल ड्यूटी पॉइंट पर खड़ी थी। इसी दौरान चोरों ने बाइक चुरा ली और फरार हो गए। चोरी के कुछ समय बाद ही बाइक के मालिक कृष्ण कुमार शर्मा के मोबाइल पर एक चालान का मैसेज आया। चालान हेलमेट न पहनने के लिए कटा था। चालान की फोटो में साफ दिख रहा था कि चोरी की बाइक पर एक व्यक्ति सवार है और पीछे एक कमजोर कद-काठी वाली महिला बैठी है, जिसने हेलमेट नहीं पहना था। इसी वजह से ऑटोमेटिक कैमरे ने चालान काट दिया। जब चालान के बारे में सिपाही अतुल शर्मा से उनके पिता कृष्ण कुमार शर्मा ने पूछा तो उन्होंने बताया कि वे सुबह से ट्रैफिक ड्यूटी पर तैनात हैं और बाइक लेकर कहीं गए ही नहीं। ड्यूटी खत्म होने के बाद जब वे बाइक लेने पहुंचे तो देखा कि बाइक गायब है। इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी और चोरी की शिकायत दर्ज कराई। यह घटना शर्मनाक तो है ही, साथ ही चालान सिस्टम की सतर्कता को भी दशार्ती है। पुलिस अब चालान की फोटो के आधार पर चोरों की तलाश कर रही है। उम्मीद है कि जल्द ही बाइक बरामद हो जाएगी और चोर पकड़े जाएंगे।

उच्च प्राथमिक विद्यालय भटपुरा सकेनिया में बाल विज्ञान मेले का आयोजन

अमरोहा (सब का का सपना):- उच्च प्राथमिक विद्यालय भटपुरा सकेनिया, ब्लॉक व जनपद अमरोहा मे बाल विज्ञान मेले का आयोजन किया गया। जिसमे बच्चों ने विज्ञान के वर्किंग मॉडल बनाये। जिसमे उत्सर्जन तंत्र, ह्रदय की क्रियाविधि, वॉटर पयूरीफिकेशन, वॉटर साइकिल, दिन रात, हाइड्रोलिक जेसीबी, फेफड़ों की क्रियाविधि, क्राफ्ट वर्क, सोलर सिस्टम, ग्रीन हाउस, डीएनए संरचना, प्रकाश का परिवर्तन, प्रकाश संश्लेषण, वॉटर डिस्पेंसर, वॉटर राकेट, गोबर गैस मॉडल, बरनौली प्रमेय का अनुप्रयोग जैसे विषय शामिल रहे। मुख्य अतिथि एआरपी लव सूरी, ग्राम प्रधान महेश रहे। विभिन्न प्रबुद्धजनो और अभिभावकों व ग्रामीणों ने छात्र छात्राओं का मनोबल बढ़ाया। बच्चों ने पूरे आत्म विश्वास से अपने विचार सबके समक्ष रखे। एआरपी ने बच्चों को इनाम स्वरूप धनराशि प्रदान की। सभी ने बच्चों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। अंत मे प्रधान अध्यापक सर्वेश चंद्र, काविंदर सिंह (स.अ.) व मंजरी कौशिक (विज्ञान शिक्षिका) ने सभी का आभार व्यक्त किया। सभी का मार्गदर्शन हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। हम बच्चों के मंगल भविष्य की उज्जवल कामना करते है।

ठंड से बचाव के लिए सावधानियां बरतें:- जिला अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक की अपील

अमरोहा (सब का सपना):- बढ़ती ठंड और शीतलहर के बीच अमरोहा जिला अस्पताल में सर्दी-जुकाम, खांसी और बुखार के मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है। जिला अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. चरन सिंह ने लोगों से ठंड से बचाव के लिए विशेष सावधानियां बरतने की अपील की है। उन्होंने बताया कि ठंड के मौसम में शरीर का तापमान गिरने से हाइपोथर्मिया जैसी गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है, जिससे बुजुर्गों और बच्चों को ज्यादा खतरा रहता है ।डॉ. चरन सिंह ने कहा कि ठंड से बचने का सबसे सरल उपाय गर्म कपड़ों का प्रयोग करना है। ऊनी कपड़े, स्वेटर, जैकेट, मफलर और टोपी पहनकर शरीर को पूरी तरह ढकें। विशेष रूप से सिर, कान, गर्दन, हाथ और पैरों को ठंड से बचाना जरूरी है। सुबह-शाम बाहर निकलते समय अतिरिक्त सतर्कता बरतें और अनावश्यक यात्रा से बचें। गर्म पेय पदार्थ जैसे चाय, कॉफी, सूप या दूध का सेवन करें, जो शरीर को गर्मी प्रदान करते हैं ।उन्होंने सलाह दी कि गीले कपड़े तुरंत बदल लें, क्योंकि नमी से ठंड ज्यादा लगती है। घर में हीटर या अलाव का उपयोग सावधानी से करें ताकि कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता का खतरा न हो। बच्चों और बुजुर्गों को घर के अंदर रखें तथा पौष्टिक आहार दें। यदि कंपकंपी, सांस लेने में दिक्कत या थकान जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। जिला अस्पताल में ठंड से संबंधित मरीजों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं, जिसमें वार्डों में हीटर और गर्म कंबल उपलब्ध कराए गए हैं। डॉ. सिंह ने लोगों से अपील की कि ठंड को हल्के में न लें और इन सावधानियों से खुद को सुरक्षित रखें। इस मौसम में स्वस्थ रहना सभी की जिम्मेदारी है।

सैदनंगली पुलिस ने नगद व चरस के साथ एक अभियुक्त किया गिरफ्तार

सैदनंगली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा अपराध व अपराधियों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही की जा रही है जिसके क्रम में सैदनंगली पुलिस के द्वारा एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है ।ज्ञात रहे कि अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदोरिया व क्षेत्राधिकारी पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सैदनंगली की टीम द्वारा एक नफर अभियुक्त सुभाष पुत्र ज्ञान सिंह को गिरफ्तार किया गया है जिसके कब्जे से 215 ग्राम चरस व 2950 रुपए नगद एक मोबाइल बरामद किया गया है। आगे की कार्यवाही जारी है।

सर सैय्यद सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का तीन केंद्रों पर सफल आयोजन

छात्र-छात्राओं को सामान्य ज्ञान के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा निखारने का सुनहरा अवसर

संभल(सब का सपना):- अल अमीन एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में सर सैय्यद सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 2025 का आयोजन सम्भल में सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। दिसंबर माह में आयोजित इस प्रतियोगिता ने क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को सामान्य ज्ञान के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा निखारने का सुनहरा अवसर प्रदान किया। बहुत कम समय की सूचना के बावजूद, सम्भल शहर और उपनगरी सरायतरीन में स्थापित तीन परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा पूर्ण सुचारिता और अनुशासन के साथ सम्पन्न हुई, जो आयोजकों की कुशलता और सहयोगी संस्थानों के समर्पण का प्रतीक है। अल बशीर जूनियर हाई स्कूल, सराय तरीन केंद्र

व्यवस्थापक इम्तियाज बरकाती, आजाद गर्ल्स कॉलेज, सम्भल केंद्र व्यवस्थापक तज्वर परवीन,एजीएम जूनियर हाई स्कूल, सिरसी केंद्र व्यवस्थापक अजीम कुरैशी,सभी केंद्रों पर केंद्र प्रभारी, कोऑर्डिनेटर, रिलीवर और इनविजिलेटर सहित पूरा स्टाफ समय पर उपस्थित रहा। परीक्षा प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था या अनियमितता का कोई प्रसंग नहीं हुआ, जिससे अभिभावकों और प्रतिभागियों में संतोष की भावना व्याप्त रही। कंपटीशन कंट्रोलर मुहम्मद शारिक जीलानी ने बताया, हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी यह प्रतियोगिता आयोजित की गई है। बहुत शॉर्ट नोटिस के बावजूद सभी केंद्रों पर उत्कृष्ट सहयोग मिला, जिसके लिए हम सभी शिक्षण संस्थानों और स्टाफ के आभारी हैं। वहीं, कंपटीशन चेयरमैन एवं इंचार्ज डॉ. शहजाद अहमद ने कहा, सभी परीक्षा केंद्रों पर ड्यूटी में लगे समस्त स्टाफ के लिए भोजन की समुचित व्यवस्था की गई थी, जिससे सभी ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा से किया। सोसाइटी के अध्यक्ष मुहम्मद शारिक जीलानी ने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी सम्मानित साथियों का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा, सभी के सहयोग से यह प्रतियोगिता शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं सुचारु रूप से सम्पन्न हुई। सर सैय्यद अहमद खान के आदर्शों से प्रेरित यह पहल शिक्षा के क्षेत्र में एक नया आयाम जोड़ रही है। आयोजन में डॉ. शहजाद अहमद, तज्वर परवीन, सुहैबा हबीब, हसीन अख्तर, वाइज खान, साबिहा खातून, हुदा खान, इसरा कुरैशी, जैबा परवीन, इमराना परवीन, चांदनी खानम, समरीन, अफसाना, सैफी, शुमायला परवीन, बुशरा बी, तहरीम, फात्मा, अफ़्शा परवीन, सुहैल राशिद, नदीम, जैदी, मोबीन, शावेज खान, फतह, अजीम कुरैशी, अहमद अयाज, शारिक जीलानी, इम्तियाज बरकाती, शफीक उर रहमान बरकाती, शुऐब राईन, मंसूर कादरी, रिमशा, बेनजीर, अंजली, फैजी, अलिशा, साकिब कुरैशी, ज़िया उर बरकाती, आसिया, सानिया, इरम, अदीबा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अवैध मिट्टी खनन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई सात ट्रैक्टर-ट्रॉलियां सीज, एक डंपर का चालान

असमोली/संभल(सब का सपना):- जनपद में अवैध खनन के खिलाफ जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए मंगलवार सुबह विशेष अभियान चलाया। जिलाधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी के निदेशों पर खनन निरीक्षक शिवम कुमार के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान थाना असमोली क्षेत्र के मढ़न पुलिस चौकी में अवैध मिट्टी खनन में संलिप्त 6 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को मौके पर ही सीज कर दिया गया। इसी क्षेत्र की मंसूरपुर माफी पुलिस चौकी से एक अन्य ट्रैक्टर-ट्रॉली को भी अवैध खनन के आरोप में जब्त किया गया। इसके अलावा, उप खनिज (मिट्टी) का अवैध परिवहन कर रहे एक डंपर को पकड़ा गया। डंपर का चालान किया गया और नियमानुसार जुमार्ना मौके पर ही वसूल कर लिया गया। खनन निरीक्षक शिवम कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई जिलाधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी के सख्त

निदेशों के अनुपालन में की गई है। जनपद प्रशासन अवैध खनन के खिलाफ पूरी तरह प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी ऐसे प्रवर्तन अभियान निरंतर जारी रहेंगे। प्रशासन का कहना है कि अवैध खनन न केवल राजस्व की हानि पहुंचाता है बल्कि पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान जनपद में अवैध खनन पर लगाम कसने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बहजोई के चांदनी चौक में खंडहर दुकान से मिला युवक का शव, सिर पर चोट के निशान,मचा हड़कंप

पुलिस ने शब को पोस्टमार्टम के लिए भेजा आगे की कार्रवाई जारी

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना बहजोई क्षेत्र में रोडबेज स्टैंड के पास चांदनी चौक स्थित एक खंडहर दुकान से अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है, जबकि कोतवाली बहजोई पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। एएसपी अनुकृति शर्मा और क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की गहन जांच पड़ताल के निर्देश दिए। पुलिस के अनुसार, मृतक की उम्र 25 से 30 वर्ष के बीच बताई जा रही है। शव पर सिर में चोट के निशान मौजूद हैं, जो संदेहास्पद लग

रहे हैं। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट नहीं हो सका कि मौत का कारण चोट है या कोई अन्य वजह। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मृत्यु का सही कारण सामने आ सके। क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि ये चांदनी चौक का इलाका है, जहां कुछ दुकानें संचालित हो रही हैं, जबकि कुछ खंडहर अवस्था में हैं। शव एक खंडहर दुकान के अंदर मिला है। फिलहाल पुलिस साक्ष्य एकत्रित कर रही है और जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही आगे की कार्रवाई तय होगी। घटनास्थल के आसपास के दुकानदारों और राहगीरों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस को शक है कि यह हत्या का मामला हो सकता है, इसलिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। फिलहाल, मृतक की पहचान नहीं हो सकी है, लेकिन पुलिस द्वारा परिजनों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। यह घटना इलाके में सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

एंजेल्स पब्लिक स्कूल में क्रिसमस ईव पर स्मार्टिविटी लैब्स की खास पहल

बच्चों को मिलीं STEM आधारित गेम किट्स

संभल(सब का सपना):- क्रिसमस की पूर्व संध्या पर एंजेल्स पब्लिक स्कूल, संभल में एक विशेष शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्मार्टिविटी लैब्स प्राइवेट लिमिटेड के आईटी हेड गर्वित शर्मा की पहल पर बच्चों को रळएट (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथमेटिक्स) आधारित वुडन गेम किट्स वितरित की गईं। ये किट्स जैसे ग्लोब एक्सप्लोरर, पिनबॉल मशीन, ह्यूमन बॉडी मॉडल और माइक्रोस्कोप बच्चों को खेल-खेल में विज्ञान के कॉन्सेप्ट्स सिखाती हैं।

इससे उनकी रचनात्मकता, समस्या समाधान क्षमता और मोटर स्किल्स का विकास होता है। मुख्य अतिथि जिला जज एटा अहम उल्ला खान और सीओ संभल आलोक भाटी ने बच्चों को किट्स सौंपीं। सीओ भाटी ने इंडोर के साथ आउटडोर एक्टिविटी पर जोर दिया, ताकि शारीरिक विकास भी हो। किट्स पाकर बच्चे बेहद खुश हुए और कई ने तुरंत असेंबल करना शुरू कर दिया। स्कूल प्रबंध निदेशक शरमीन खान ने स्मार्टिविटी लैब्स और गर्वित शर्मा का आभार जताया। गौरीशंकर चौधरी ने कहा कि आज के गेम्स स्मार्ट हो गए हैं, बच्चे खेलते हुए बुनियादी चीजें सीख रहे हैं। इस मौके पर चेयरमैन अरीफ आलम, अरहम खान, हर्षित शर्मा और स्कूल स्टाफ मौजूद रहे। यह आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए एक यादगार कदम साबित हुआ।

आकांक्षात्मक विकासखण्ड असमोली एवं गुन्नौर की प्रगति समीक्षा बैठक आयोजित

बहनोई/सम्भल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट परिसर में भारत सरकार के डायरेक्टर डी.पी.आई.टी. एवं केन्द्रीय प्रभारी अधिकारी (आकांक्षात्मक विकासखण्ड असमोली एवं गुन्नौर) मो. इसरार अली की अध्यक्षता में नीति आयोग के आकांक्षात्मक विकासखण्ड कार्यक्रम के तहत दोनों विकासखण्डों के विभिन्न विभागीय संकेतांकों की संतृप्ति प्रगति की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी रत्नेश कुमार ने केन्द्रीय प्रभारी अधिकारी को दोनों विकासखण्डों के इंडीकेटर्स की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। इसरार अली ने कहा कि सम्भल जनपद के असमोली एवं गुन्नौर विकासखण्ड नीति आयोग के आकांक्षात्मक कार्यक्रम में शामिल हैं। ये विकासखण्ड पिछड़े नहीं, बल्कि विकास की दृष्टि से क्रिटिकल श्रेणी में हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि संकेतांकों को शत-प्रतिशत संतृप्त करने के लिए समन्वय के साथ गंभीरता से कार्य करें, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। समीक्षा में कुल 40 संकेतांकों पर चर्चा हुई। स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत एएनसी रजिस्ट्रेशन, रिक्त पदों की स्थिति, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, संस्थागत

प्रसव, हाइपरटेंशन एवं डायबिटीज स्क्रीनिंग; शिक्षा विभाग में बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा; कृषि विभाग में पीएम किसान सम्मान निधि के लिए आधार अपडेट एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड; पशुपालन, ग्राउंड वाटर रिचार्ज, पेयजल कनेक्शन, पंचायती राज विभाग के ओडीएफ प्लस, ग्रे वाटर एवं ब्लैक वाटर प्रबंधन, भारत नेट, तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूह एवं सीसीएल जैसे संकेतांकों की प्रगति पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में जनपद में योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु चल रही मोबाइल वैन पर भी चर्चा की गई। इसके बाद केन्द्रीय प्रभारी अधिकारी ने कलक्ट्रेट परिसर स्थित डीपीएमयू का निरीक्षण कर कार्य व्यवस्था का जायजा लिया। तत्पश्चात उन्होंने विकासखण्ड गुन्नौर के ग्राम कल्हा तथा असमोली के ग्राम इटायला माफी का दौरा किया और ग्रामीणों से बातचीत कर संकेतांकों की जमीनी स्थिति का आकलन किया। बैठक एवं निरीक्षण में परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी रत्नेश कुमार सहित संबंधित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गढ़मुक्तेश्वर में टोल हटाने, बाईपास और गंगा पुल की मांग पर व्यापार मंडल का धरना तेज

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़(सब का सपना):- तहसील परिसर में समाजसेवियों द्वारा बृजघाट टोल प्लाजा हटाने, प्रस्तावित बाईपास को गढ़-स्याना चोपला से निकालने और लटीरा से तिगरी तक गंगा नदी पर पुल निर्माण की मांग को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन धरना अब और तेज हो गया है। इस धरने को पश्चिम उत्तर प्रदेश संयुक्त व्यापार मंडल गढ़मुक्तेश्वर का पूर्ण समर्थन मिला है। व्यापार मंडल ने इन मांगों को न्यायोचित बताते हुए

जिलाधिकारी से अपील की है कि वे स्वयं उपस्थित होकर टोल प्रबंधन (पीडी) और संबंधित जनप्रतिनिधियों को बुलाएं तथा जनता की संतुष्टि के लिए स्थायी समाधान निकालें। व्यापार मंडल का कहना है कि ये मांगें क्षेत्र के व्यापारियों और आम जनता के हित में हैं, क्योंकि टोल और जाम की समस्या से रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है। धरने में अभिषेक गुप्ता उर्फ सेतू, अमल गोपाल, वरुण गुप्ता, सतेंद्र कुमार एडवोकेट, बबलू कुमार सहगल, मोंटी चौधरी और प्रमोद कुमार एडवोकेट सहित कई समाजसेवी और व्यापारी मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने एक स्वर में कहा कि जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, धरना जारी रहेगा।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ बजरंग दल का जोरदार प्रदर्शन

बबराला/संभल(सब का सपना):- बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हो रहे कथित अत्याचारों के खिलाफ उत्तर प्रदेश के संभल जिले में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकताओं ने बुधवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस का पुतला फूंककर नारेबाजी की गई और संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया। संगठनों ने मांग की है कि भारत सरकार हिंदू समुदाय को न्याय दिलाने के लिए कूटनीतिक स्तर पर हस्तक्षेप करे। प्रदर्शन बबराला क्षेत्र के इंदिरा

चौक पर आयोजित किया गया, जहां जिला अध्यक्ष अमित गुप्ता, जिला मंत्री वेद प्रकाश, जिला प्रचार प्रमुख रामौतार शर्मा और संयोजक विजेंद्र सिंह के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ता सड़क पर उतरे। बजरंग दल के सदस्यों ने भी इसमें सक्रिय भागीदारी निभाई। जिला संयोजक विजेंद्र सिंह ने कहा में कहा, बांग्लादेश में हिंदू भाइयों पर हो रहे इन अमानवीय अत्याचारों को हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। मोहम्मद यूनुस की सरकार इन घटनाओं को रोकने में नाकाम रही है। हम केंद्र सरकार से मांग करते हैं कि वह तत्काल कदम उठाए और पीड़ितों को न्याय दिलाए। प्रदर्शन में जिला धर्म प्रसार प्रमुख केशव भारद्वाज, देवानंद महाराज, बांके बिहारी दास, सोमनाथ योगी महाराज के अलावा नगर अध्यक्ष बबलू गुप्ता, महेंद्र वर्मा, गणेश, हरि बाबू, ओमप्रकाश शर्मा, मोनू, राजकुमार, रवि और जोगिंदर जैसे प्रमुख नेता उपस्थित रहे।

तापमान उतार-चढ़ाव से फसलों पर कीट-रोगों का खतरा

कृषि अधिकारी ने दिए बचाव के खास टिप्स

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- सर्दी के मौसम में तापमान में अचानक उतार-चढ़ाव के कारण धान्य, तिलहन और सब्जी फसलों पर कीट-रोगों का प्रकोप बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। इस खतरे से निपटने के लिए जिला कृषि रक्षा अधिकारी अरूण कुमार त्रिपाठी ने किसानों के लिए विस्तृत सुझाव जारी किए हैं। इन सिफारिशों को अपनाकर किसान भाई अपनी फसलों को होने वाली क्षति से बचा सकते हैं और उपज में वृद्धि सुनिश्चित कर सकते हैं। त्रिपाठी ने बताया कि मौसम की अनियमितता के कारण दीमक, गुजिया, आरा मक्खी, ब्लैक स्कर्फ जैसे कीट-रोग सक्रिय हो सकते हैं, खासकर गेहूं, राई-सरसों और आलू की फसलों में। उन्होंने फसलों के अनुसार नियंत्रण के लिए जैविक और रासायनिक उपाय सुझाए हैं।

गेहूं फसलः दीमक-गुजिया और खरपतवार से सावधान गेहूं की फसल में दीमक या गुजिया के प्रकोप से बचाव के लिए भूमि शोधन पर जोर दिया गया है। किसानों को व्यूवेरिया बेसियाना 1.15% प्रति कीट 2.5 किलोग्राम मात्रा को गोबर की खाद में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से भूमि में मिलाना चाहिए। खड़ी फसल में क्लोरपायरीफोस 20% ईसी 2.5 लीटर को सिंचाई के पानी के साथ प्रयोग करने की सलाह दी गई है। खरपतवार नियंत्रण के लिए बुवाई के 20-25 दिनों बाद छिड़काव करेंः संकरी पत्ती वाले खरपतवार (जैसे गेंहूंसा, जंगली जई) के लिए सल्फोसल्फ्यूरॉन 75% डब्ल्यूजी या क्लोडिनाफॉप-प्रोपार्जिल 15% डब्ल्यूपी। चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए मेटसल्फ्यूरॉन मिथाइल 20% डब्ल्यूपी या कार्फेंट्राजोन इथाइल 40% डीएफ। तिलहन फसलें (राई-सरसों): आरा मक्खी का मुकाबला राई और सरसों की फसलों में आरा मक्खी के हमले से निपटने के लिए तत्काल छिड़काव आवश्यक है। डाइमेथोएट 30% ईसी 650 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर या क्विनालफोस 25% ईसी 1.2 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से स्प्रे करें। यह उपाय फसल को शुरूआती नुकसान से बचाएगा। आलू फसलः ब्लैक स्कर्फ और दीमक से बचाव आलू की खेती में ब्लैक स्कर्फ रोग से बचने के लिए बीज शोधन जरूरी है। पेनफ्लूफेन 22.43% एफएस (83 मिलीलीटर प्रति 100 लीटर पानी में 800 किलोग्राम बीज) या थायफ्लूजामाइड 24% एससी (2.5 मिलीलीटर प्रति 10 किलोग्राम बीज) से बीज उपचारित कर बुवाई करें। दीमक के प्रकोप को कम करने के लिए व्यूवेरिया बेसियाना 2.5 किलोग्राम को 60-75 किलोग्राम गोबर की खाद में मिलाकर अंतिम जुताई के समय खेत में डालें। इसके अलावा, नीम की खली 10 क्विंटल प्रति हेक्टेयर बुवाई से पूर्व मिट्टी में मिलाने से भी दीमक का असर कम होता है। त्रिपाठी ने अपील की कि किसान इन सुझावों को तुरंत अपनाएं और नजदीकी कृषि केंद्र से संपर्क कर आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा, "मौसम की मार से फसलें सुरक्षित रखने के लिए जैविक तरीकों को प्राथमिकता दें, ताकि मिट्टी की उर्वरता बनी रहे।" जिला प्रशासन किसानों की सहायता के लिए निरंतर सतर्क है। किसान भाई इन टिप्स को अपनाकर न केवल नुकसान से बच सकते हैं, बल्कि अपनी आय में भी इजाफा कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला कृषि रक्षा कार्यालय से संपर्क करें।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक में 8 वैवाहिक विवादों का निस्तारण

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- जनपद के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिण अनुकृति शर्मा तथा क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में संचालित पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की बैठक चंदौसी में संपन्न हुई। यह बैठक गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी में परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह की देखरेख में आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य पति-पत्नी के बीच उत्पन्न आपसी विवादों को सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करना था। काउंसलरों द्वारा कुल 16 पत्रावलियों (मामलों) की सुनवाई की गई, जिसमें से 8 मामलों का

सफलतापूर्वक निस्तारण कर दिया गया। इससे कई परिवारों में फिर से सुख-शांति कायम होने की उम्मीद जगी। इस अवसर पर काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, हेड कांस्टेबल मनोहर सिंह, पीसी सुधारानी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। पुलिस परिवार परामर्श केंद्र जैसी पहल से वैवाहिक विवादों को अदालत के बाहर ही सुलझाने में मदद मिल रही है, जिससे परिवार टूटने से बच रहे हैं। पुलिस की इस मुहिम को स्थानीय लोगों ने सराहा है।

दिल्ली-एनसीआर के लोगों को बड़ी राहत, ग्रैप-4 प्रतिबंध हटे; लेकिन सतर्कता जरूरी

नई दिल्ली। दिल्ली और एनसीआर के लोगों को बड़ी राहत मिली है। वायु गुणवत्ता में सुधार को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने ग्रैप-4 के सख्त प्रतिबंधों को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है।इससे निर्माण कार्यों पर लगी रोक समाप्त हो गई और गैर-जरूरी ट्रकों की एंट्री फिर से शुरू हो सकेगी। हालांकि, ग्रैप के चरण-1, 2 और 3 के उपाय अभी भी लागू रहेंगे, ताकि प्रदूषण स्तर को नियंत्रित रखा जा सके। दिल्ली का औसत एक्यूआई 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंच गया है, लेकिन 'गंभीर+' से बाहर आने के कारण यह फैसला लिया गया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में सीएक्यूएम ने यह कदम उठाया। विशेषज्ञों का कहना है कि मौसम में बदलाव होने से हवा में सुधार आया है। अब लोगों से अपील है कि वे सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें और प्रदूषण कम करने में सहयोग दें।

बदसलूकी और बस से कूदने पर हुई मजबूर, उन्नाव रेप केस में पीड़ित मां का आरोप

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की सड़कों पर उस समय चौंकाने वाला दृश्य देखने को मिला, जब पैरामिलिट्री फोर्स के जवानों ने उन्नाव रेप केस की पीड़िता और उसकी मां को मीडिया से बातचीत करने से रोक दिया। इतना ही नहीं, पीड़िता की बुजुर्ग मां को चलती बस से कूदने के लिए मजबूर होना पड़ा। बता दें कि पीड़िता और उसकी मां दिल्ली हाई कोर्ट के उस फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही थीं, जिसमें पूर्व बीजेपी विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को दोषी ठहराए जाने के बावजूद राहत दी गई है। सेंगर पर 2017 में नाबालिग पीड़िता से रेप का आरोप सिद्ध हो चुका है और उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि सुरक्षा के नाम पर उन्हें मीडिया से दूर रखा जा रहा है और उनकी आवाज दबाई जा रही है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें जवान पीड़िता और मां को घेरते और बस में धकेलते दिख रहे हैं। मामले ने राजनीतिक बवाल खड़ा कर दिया है।

सात आरोपियों की न्यायिक हिरासत 15 दिन बढ़ी, एनआईए कड़ी सुरक्षा में लेकर सबको पहुंची कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को लाल किले के पास हुए विस्फोट मामले में सात आरोपियों की न्यायिक हिरासत 15 दिनों के लिए बढ़ा दी है। अदालत ने डॉ. अदील राथर, डॉ. मुजम्मिल गनाई, डॉ. शाहीन सईद, मौलवी इरफान अहमद वागे, जासिर बिलाल वानी, आमिर राशिद अली और सोएब को 15 दिनों की और न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इससे पहले तीन डॉक्टरों और वागे को 12 दिसंबर को 12 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। अली और वानी को 10 दिसंबर को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। सोएब को 19 दिसंबर को पांच दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को अपनी पिछली न्यायिक हिरासत की समाप्ति पर सातों आरोपियों को कड़ी सुरक्षा के बीच पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया था। सातों आरोपियों को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रशांत शर्मा के समक्ष पेश किया गया, जिन्होंने उन्हें 8 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड की तैयारियों में जुटे जवान, जहरीली हवा और कड़ाके की ठंड भी नहीं डिगा सकी हौसला

नई दिल्ली। दिल्ली में कड़ाके की ठंड, घना कोहरा और जहरीली हवा ने मिलकर आम लोगों की मुश्किलें जरूर बढ़ा दी हैं, लेकिन देश की शान जवानों के हौसले पर इसका कोई असर नहीं दिख रहा। राजधानी की सर्द सुबह में भी कर्तव्य पथ पर देशभक्ति का जज्बा जोश से लबरेज नजर आया, जब भारतीय सशस्त्र बलों के जवानों ने 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस परेड की रिहर्सल पूरे जोश और अनुशासन के साथ की। बुधवार को जवान कदम-ताल मिलाते हुए कर्तव्य पथ पर उतरे। चारों ओर कोहरे की हल्की चादर और हवा में घुला प्रदूषण भी उनके उत्साह को डिगा नहीं सका। जवानों की सधी हुई चाल और दमदार उपस्थिति ने कर्तव्य पथ को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। आसपास मौजूद लोग भी यह दृश्य देखकर खुद को जोश से भरता हुआ महसूस करते दिखे। हर साल 26 जनवरी को आयोजित होने वाली गणतंत्र दिवस परेड भारतीय लोकतंत्र और सैन्य शक्ति का प्रतीक मानी जाती है। इसकी शुरूआत वर्ष 1950 में हुई थी और तब से यह परंपरा निरंतर जारी है। इस भव्य आयोजन के लिए हफ्तों पहले से रिहर्सल शुरू हो जाती है, ताकि परेड के दिन हर कदम, हर सलामी और हर प्रदर्शन पूरी शान के साथ नजर आए। मौसम और प्रदूषण से चुनौतियों के बीच कर्तव्य पथ पर जवानों की मेहनत और समर्पण यह संदेश देता है कि देश की सुरक्षा और सम्मान के लिए कोई भी हालात बाधा नहीं बन सकते। गणतंत्र दिवस की तैयारियों में जुटे ये जवान न सिर्फ परेड की रिहर्सल कर रहे हैं, बल्कि अपने जज्बे से यह भी दिखा रहे हैं कि कर्तव्य निभाने के आगे ठंड, कोहरा और प्रदूषण भी फीके पड़ जाते हैं।

दिल्ली-एनसीआर को बड़ी सौगात, मेट्रो विस्तार से नोएडा-फरीदाबाद के राहगीरों को होगा सबसे ज्यादा फायदा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को दिल्ली मेट्रो विस्तार परियोजना को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव इसकी जानकारी देते हुए कहा कि 12,015 करोड़ रुपये की परियोजनाओं से मेट्रो का विस्तार किया जाएगा। कैबिनेट से मंजूर की गई नई परियोजनाओं से नोएडा-फरीदाबाद वाले सबसे ज्यादा लाभान्वित होंगे। इसके साथ ही गुड़गांव और दिल्ली आने में भी उन्हें आसानी होगी। दिल्ली मेट्रो के तीन नए कॉरिडोर का पूरा रूट आने वाले समय में मेट्रो से यात्रा करने वालों की राह आसान करेंगे और प्रदूषण को कम करने में भी अहम भूमिका निभाएंगे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि फरीदाबाद से गुड़गांव लाइन को लेकर स्टडी की जा रही है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर के तहत सभी कर्तव्य भवनों से कनेक्टिविटी करने की तैयारी है। इससे इस इलाके में ऑफिस जाने वालों और विजिटरों को भवन के दरवाजे तक पहुंच की सुविधा मिलेगी। इस कनेक्टिविटी से रोजाना लगभग 60 हजार कार्यालय जाने वाले और 2 लाख विजिटर लाभान्वित होंगे। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तीन नए कॉरिडोर को मंजूरी दी है। इसके

तहत आरके आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ (9.913 किमी), एयरोसिटी से आईजीडी एयरपोर्ट टी-1 (2.263 किमी) और तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज (3.9 किमी) का विस्तार किया जाएगा। ये सभी कॉरिडोर दिल्ली मेट्रो के चरण 5(ए) परियोजना के अंतर्गत आते हैं, जिसकी कुल लंबाई 16.076 किमी है और इससे दिल्ली में कनेक्टिविटी और बेहतर होगी। इस बीच में केंद्रीय मंत्री वर्ष 2014 के मेट्रो की स्थिति के साथ ही वर्तमान तक हुए विस्तार पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बबताया कि कैबिनेट ने बैठक में 13 नए मेट्रो स्टेशन के निर्माण को हरी झंडी दी है। इनमें से 10 अंडग्राउंड और 3 एलिवेटेड स्टेशन होंगे। इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में करीब तीन वर्ष का समय लगेगा। 16 किमी लंबी इस परियोजना का निर्माण करने के लिए 12,015 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इस निर्माण के साथ ही मेट्रो का जाल 400 किमी तक फैल जाएगा। बता दें कि नए कॉरिडोर से दिल्ली में आम हो चुके खराब एक्यूआई को भी सुधारने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि इंद्रप्रस्थ स्टेशन को आर के आश्रम स्टेशन को जोड़ने के लिए जो नई लाइन बनेगी, इसी लाइन पर नॉर्थ और साउथ ब्लॉक को जोड़ा जाएगा। नॉर्थ और साउथ ब्लॉक को संग्रहालय में बदले जाने की भी तैयारी है। इसे युगे युगीन भारत संग्रहालय कहा जाएगा। इसी लाइन पर कर्तव्य भवनों को भी जोड़ा जाएगा।

इससे सड़कों पर भीड़ कम होगी। कर्तव्य भवन तक कनेक्टिविटी मिलेगी। साथ ही, राजीव चौक और शिवाजी स्टेडियम मेट्रो के बीच सीधा सबवे बनेगा। मैजेंटा लाइन के एयरपोर्ट टर्मिनल -1 पर इंटरचेंज सुविधा मिलेगी।

सीएम रेखा गुप्ता ने राजीव गांधी सुपरस्पेशलिटी अस्पताल का किया निरीक्षण, मरीजों से बात कर जाना हाल

पूर्वी दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को राजीव गांधी सुपरस्पेशलिटी अस्पताल का निरीक्षण किया और अस्पताल में भर्ती मरीजों का हाल-चाल जाना। इस दौरान उन्होंने वार्डों का दौरा किया और अस्पताल की व्यवस्थाओं का विस्तृत अवलोकन किया।मुख्यमंत्री के साथ विधायक संजय गोयल भी मौजूद रहे। अस्पताल प्रशासन ने उन्हें अस्पताल की सुविधाओं, चिकित्सकीय सेवाओं और संसाधनों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। सीएम रेखा गुप्ता ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनकी समस्याएं सुनी और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं

का भरोसा दिलाया। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए कि मरीजों को उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं और किसी भी तरह की कमी को तुरंत दूर किया जाए। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से यह भी कहा कि अस्पताल में मरीजों और उनके परिजनों के लिए साफ-सुथरा वातावरण, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता और उचित देखभाल सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कर्मचारियों से संवाद करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और मरीजों की संतुष्टि हमेशा प्राथमिकता हो। इस निरीक्षण के दौरान अस्पताल प्रशासन ने बताया कि राजीव गांधी सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में विभिन्न विभागों में लगातार सुधार और नवीनीकरण कार्य चल रहे हैं, ताकि मरीजों को आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। सीएम के इस दौरे से अस्पताल के कर्मचारियों और मरीजों में संतोष और उत्साह की भावना देखी गई, जबकि स्थानीय लोग इसे स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की दिशा में एक सकारात्मक कदम के रूप में देख रहे हैं।

दिल्ली स्कूलों में आएगी 'अपॉर्चुनिटी हैंडबुक', एआई से निखारेंगे स्टूडेंट्स अपनी प्रतिभा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार राजधानी के सरकारी स्कूलों के स्टूडेंट्स के स्किल्स को बेहतर बनाने और उनकी प्रतिभा को नई दिशा देने के लिए एक नई पहल शुरू करने जा रही है। सरकार जल्द ही अपने स्कूलों में एक अपॉर्चुनिटी हैंडबुक लागू करेगी, जिससे स्टूडेंट्स पढ़ाई से आगे बढ़कर असल दुनिया की चुनौतियों से जुड़कर अपने स्किल्स और टैलेंट को निखार सकेंगे। इस हैंडबुक के जरिए, स्टूडेंट्स को प्रदूषण, क्लाइमेट चेंज, स्मार्ट मोबिलिटी, स्पेस और शहरी चुनौतियों जैसे मुश्किल और चुनौतीपूर्ण विषयों पर सोचने, समझने और प्रोटोटाइप सॉल्यूशन बनाने का मौका मिलेगा। खास बात यह है कि यह सब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से किया जाएगा, यानी स्टूडेंट्स भविष्य की टेक्नोलॉजी के साथ अपना भविष्य बनाएंगे। अधिकारियों का कहना है कि यह

पहल बच्चों की क्रिएटिव सोच, टीम वर्क, प्रॉब्लम सॉल्विंग क्षमता और लीडरशिप क्वालिटी को डेवलप करने का एक जरिया बनेगी। यह क्लासरूम को सिर्फ सीखने की जगह से बदलकर इनोवेशन स्पेस में बदल देगी, जहाँ स्टूडेंट्स अपनी पसंद के हिसाब से काम करेंगे, टीम वर्क सीखेंगे और अपने अंदर छिपे इनोवेटर को बाहर लाएंगे। सरकार का मानना है कि हर स्टूडेंट में कोई न कोई छिपा हुआ टैलेंट होता है। कुछ की कल्पना शक्ति अच्छी होती है, कुछ बेहतर सोचते हैं, और कुछ टेक्नोलॉजी में माहिर होते हैं। अपॉर्चुनिटी हैंडबुक इस छिपे हुए टैलेंट को पहचानने और उसे निखारने का एक प्लेटफॉर्म होगा। क्लासरूम अब सिर्फ.पढ़ने की जगह नहीं रहेगी, बल्कि एक इनोवेशन लैब की तरह काम करेगी। एक्सपर्ट्स के सुझावों के आधार पर, सरकार स्पेस सेक्टर को भी शामिल करने की तैयारी कर रही है, ताकि बच्चों के सपने और भी ऊँची उड़ान भर सकें। इसके लिए इंडियन एयर फोर्स के टेस्ट पायलट ग्रुप के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से सलाह ली जा रही है। यह हैंडबुक एआई ग्राइंड वेबसाइट पर डिजिटल रूप से उपलब्ध होगी, जहां स्टूडेंट्स खुद को रजिस्टर करेंगे, अपनी पसंद के क्षेत्र चुनेंगे और असल दुनिया की चुनौतियों के आधार पर एआई प्रोटोटाइप डेवलप करेंगे। यह प्रोग्राम अगले छह महीनों में लागू किया जाएगा और इसमें 200 से ज्यादा इंडस्ट्री पार्टनर शामिल होंगे। लक्ष्य दिल्ली के 11 जिलों में लगभग पांच लाख स्टूडेंट्स तक पहुंचना, एक हजार नए प्रोटोटाइप बनाना, 100 सबसे अच्छे प्रोजेक्ट चुनना और उनमें से 50 स्टूडेंट्स को एआई एंबेसडर बनाना है। यह पहल मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा 7 दिसंबर को शुरू किए गए एआई ग्राइंड मूवमेंट का हिस्सा है, जिसका मकसद स्टूडेंट्स और बच्चों के स्किल्स को नई दिशा देना है।

सजा निलंबित फिर भी जेल में क्यों रहेगा कुलदीप सिंह सेंगर? दिल्ली एचसी के आदेश के बाद भी अधूरी रह गई रिहाई

नई दिल्ली। उन्नाव गैंगरेप मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे भाजपा से निष्कासित पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को दिल्ली हाई कोर्ट से राहत तो मिली, लेकिन उन्हें इसका फायदा नहीं होगा। अदालत ने उनकी उम्रकैद की सजा को निलंबित करते हुए जमानत मंजूर कर दी है। हालांकि, इस फैसले के बावजूद कुलदीप सिंह सेंगर फिलहाल जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे, और उनकी रिहाई अधूरी ही रह गई है। जमानत मिली, फिर भी जेल में क्यों रहेंगे सेंगर? कानूनी जानकारों के अनुसार, कुलदीप सेंगर के खिलाफ दो प्रमुख मामले चल रहे हैं: उन्नाव गैंगरेप मामला:- जिसमें उन्हें उम्रकैद की सजा हुई थी। पीड़िता के पिता की पुलिस हिरासत में मौतः- इस मामले में उन्हें 10 साल की सजा सुनाई गई है। दिल्ली हाईकोर्ट का नया आदेश केवल पहले मामले यानी उन्नाव गैंगरेप से जुड़ा है। चूंकि दूसरे मामले में उनकी सजा कायम है, उसे निलंबित नहीं किया है और न ही जमानत मिली है, इसलिए सेंगर को अभी भी तिहाड़ जेल में ही रहना होगा। जमानत की शर्तें जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद और जस्टिस हरीश वैद्यनाथन शंकर की बेंच ने सेंगर को जमानत देते समय कई सख्त शर्तें लगाईं: 15 लाख रुपये का निजी मुचलका और तीन स्थानीय जमानती पेश करने होंगे। पीड़िता के घर से 5 किलोमीटर के दायरे में जाने पर प्रतिबंध। हर सोमवार सुबह स्थानीय पुलिस स्टेशन में हाजिरी दर्ज करानी होगी। पासपोर्ट कोर्ट में जमा रहेगा, बिना अनुमति दिल्ली या देश नहीं छोड़ सकेंगे।

क्रिसमस को लेकर दिल्ली में ट्रैफिक अलर्ट, दो दिन साकेत मॉल के आसपास के रास्ते रहेंगे बंद; एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने क्रिसमस के मद्देनजर 24 और 25 दिसंबर को दक्षिणी दिल्ली के साकेत इलाके में ट्रैफिक डायवर्जन और प्रतिबंधों को लेकर एडवाइजरी जारी की है। पुलिस के अनुसार, लोगों की आवाजाही और सार्वजनिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह विशेष व्यवस्था दोनों दिन दोपहर 2 बजे से लागू रहेगी। एडवाइजरी के मुताबिक, साकेत स्थित सेलेक्ट सिटी मॉल, डीएलएफ एवेन्यू मॉल और एमजीएफ मेट्रोपॉलिटन मॉल के आसपास ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया जाएगा। इसके चलते प्रेस एन्क्लेव रोड और साकेत व पुष्प विहार की कई आंतरिक सड़कों पर यातायात प्रभावित रहेगा। ट्रैफिक जाम से निपटने के लिए प्रमुख चौराहों पर डायवर्जन किए जाएंगे। इनमें लाल बहादुर शास्त्री मार्ग पर शेख सराय रेड लाइट, मेहरौली-बदरपुर (एमबी) रोड पर एशियन मार्केट रेड लाइट और श्री अरबिंदो मार्ग पर पीटीएस मालवीय नगर रेड लाइट शामिल हैं। इसके अलावा, शेख सराय से हौज रानी तक सभी मीडियन कट प्रतिबंधित समय के दौरान बंद रहेंगे। पुलिस ने बताया कि प्रेस एन्क्लेव रोड के दोनों कैरिजवे पर भारी वाहन और डीटीसी/क्लस्टर बसों की आवाजाही पर रोक रहेगी। साथ ही, एशियन मार्केट रेड लाइट के जरिए एमबी रोड से पुष्प विहार की ओर डीटीसी और क्लस्टर बसों को जाने की अनुमति नहीं होगी। चिराग दिल्ली से कुतुब मीनार जाने वाले यात्री खानपुर टी-पॉइंट, एमबी रोड और लाडो सराय टी-पॉइंट का उपयोग कर सकते हैं। आईआईटी फ्लाईओवर से संगम विहार या सैनिक फार्म जाने वालों को टीबी हॉस्पिटल रेड लाइट, लाडो सराय रेड लाइट, एमबी रोड, चिराग दिल्ली और खानपुर रेड लाइट से होकर जाने की सलाह दी गई है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले मार्ग की योजना बनाएं और ट्रैफिक पुलिस के निर्देशों का पालन करें ताकि किसी भी असुविधा से बचा जा सके।

पलवल में केएमपी एक्सप्रेसवे पर बड़ी मात्रा में चरस और नशीले इंजेक्शन बरामद, तीन गिरफ्तार

पलवल। हथीन एवीटी ने केएमपी एक्सप्रेस वे पर दो अलग-अलग मामलों में बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। पहले मामले में पुलिस ने चार किलो चरस के साथ नीरचौक, जिला मंडी (हिमाचल प्रदेश) के रहने वाले सुनील कुमार को गिरफ्तार किया। आरोपी इस नशीले पदार्थ को अपनी डस्टर कार के बोनट में छुपाकर ले जा रहा था। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। दूसरे मामले में पुलिस ने दो बाइक सवारों से 300 से अधिक नशीले इंजेक्शन बरामद किए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जिला मथुरा (यूपी) के असतौली निवासी संजय और मूल रूप से भिड़ूकी के रहने वाले कृष्ण कुमार के रूप में हुई। इस मामले में भी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि ये कार्रवाई नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने और जनता को सुरक्षित रखने के लिए की गई है।

सड़क पर दौड़ती मौत! बे'बस यात्रियों की सुरक्षा; भारत में क्यों बढ़ने लगी बसों में आग की घटनाएं?

नई दिल्ली। स्लीपर बसें... छह और आठ लेन के भव्य एक्सप्रेसवे पर दौड़ती ये बसें, आरामदायक नींद भरे सफर का वादा करके टिकट बेचती हैं। लेकिन कई बार यही यात्रा मौत की एक दर्दनाक नींद में बदल जाती है। देश में हुए अनेक हादसे इस कड़वी सच्चाई की गवाही देते हैं। 22 दिसंबर को ही आगरा एक्सप्रेसवे पर नेपाल जा रही बस आग का गोला बन गई, गनीमत रही कि किसी की जान नहीं गई, लेकिन हर बार किस्मत साथ नहीं देती। जैसे 16 दिसंबर को आगरा एक्सप्रेसवे पर ही मथुरा के पास कोहरे के कारण टकराए कई वाहनों में शामिल स्लीपर बसें आग में खाक हो गईं और इसी के साथ हमेशा के लिए 18 जिंदगियों का दीपक भी बुझ गया। इसके थोड़े ही पहले जैसलमेर से जोधपुर जा रही स्लीपर बस भी आग में घिर गई, जिसमें 26 की जान चली गई। 24 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश के कुरनूल में इस तरह की घटना हुई थी जिसमें स्लीपर बस के 20 यात्री फिर कभी नींद से जाग ही नहीं सके। भारत की सड़कों पर करीब ढाई दशक पहले तक इस तरह की बसें नहीं होती थीं। वही सीटों वाली बसें होती थीं जिसमें लोग प्रायः दिन में ही यात्रा करते थे। समय बदला, विकास ने कुलांचें भरीं और गड्ढों भरे व रात में असुरक्षित हो जाने वाले नेशनल व स्टेट हाईवे के स्थान पर दिखने लगे एक्सप्रेसवे...चार, छह, आठ लेन के एक्सप्रेसवे... रफ्तार ने तेजी पकड़ ली और इसी के साथ तेज हो उठी जल्द एक स्थान से दूसरे स्थान

पहुंचने की लालसा... आवश्यकता आविष्कार की जननी है... ये बात स्लीपर बसों के चलन के साथ भी जुड़ी है। जनसंख्या बढ़ी, ट्रेनों में आरक्षित सीट मिलने में कुछ कठिनाई सामने आई तो लोगों की लेटकर, नींद लेते हुए सफर करने की इच्छा को भांपकर कुछ बस ऑपरेटर्स ने स्लीपर बसों का फंडा पेश किया। एक्सप्रेसवे, हाईवे नए रूप-रंग में आ ही चुके थे तो बस ऑपरेटर के इस फंडे का सुपरहिट होना लाजिमी था ही। दक्षिण भारत से स्लीपर बसों की शुरूआत मानी जाती है जब मैसूर स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ने करीब छह दशक पहले स्लीपर बस पेश की। तब से इनकी यात्रा धीमी ही रही, लेकिन नई सदी की शुरूआत के सथ जब एक्सप्रेसवे बने तो स्लीपर बसों की मांग भी बढ़ी और सप्लाई भी। नोएडा, गुरुग्राम, दिल्ली जैसे शहरों में बसे युवाओं को यह खासा भाने लगी। वीकडेज में काम करो और फ्राइडे रात कश्मीरी गेट, अक्षरधाम या फिर परीचौक से स्लीपर बस में सवार हो जाओ। सुबह घर पहुंचने का सपना देखते हुए। यह तो दिल्ली-एनसीआर भर का उदाहरण है, देश के कई शहरों में इसी तरह का दृश्य आम हो चला है और इसी के साथ बढ़ गया है खतरा इन कथित कस्टमाइज्ड स्लीपर बसों का। स्लीपर बसों में कस्टमाइजेशन क्यों खतरनाक? बसों में लगातार आग लगने की घटनाओं में इजाफे के बाद देश में यात्रियों को हर सुविधा मुहैया कराने का दावा करने वाली स्लीपर बसों की कस्टमाइजेशन पर सवाल उठने लगे हैं। दैनिक जागरण ने अपने पाठकों के लिए इस मुद्दे को गहराई से समझने की कोशिश की है। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के टेक्नोलॉजी चेयरमैन जेड रहमान से बातचीत में कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आईं। बसों में आग लगने के क्या कारण हैं? देश में ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के लिए कई महत्वपूर्ण मानक तय किए गए हैं, जैसे AIS-052 (बस बॉडी कोड), AIS-119 (स्लीपर बस कोड) और AIS-134 (फायर डिटेक्शन एवं सेफ्टी सिस्टम)। इन मानकों का उद्देश्य बसों के निर्माण में गुणवत्ता सुनिश्चित करना और आग जैसी दुर्घटनाओं से यात्रियों की सुरक्षा करना है।

शाह ने फिर उठाया खर्ची पर्ची का मुद्दा, सीएम सैनी ने पुलिस भर्ती का ऐलान किया

पंचकूला : केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बुधवार को हरियाणा के पंचकूला पहुंचे। यहां पहुंचते ही उन्होंने सबसे पहले इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में आयोजित सहकारी सम्मेलन में शिरकत की और लोगों को संबोधित किया। अपने संबोधन की शुरूआत में अमित शाह ने कहा कि गीता की भूमि और हरि की भूमि हरियाणा आकर उन्हें बेहद प्रसन्नता हो रही है। इसके बाद केंद्रीय गृहमंत्री ताऊ देवी लाल स्टेडियम पहुंचे, जहां हरियाणा पुलिस के 5061 नव-प्रशिक्षित जवानों की पासिंग आउट परेड आयोजित की गई। परेड में महिला पुलिसकर्मियों की भागीदारी को लेकर अमित शाह ने विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा कि जब देश की पहली पंक्ति में बेटियां खड़ी होती हैं, तो यह पूरे देश के लिए एक सकारात्मक संदेश देता है। अमित शाह ने जानकारी दी कि यह हरियाणा पुलिस की पहली ऐसी बैच है, जिसमें करीब 85 प्रतिशत जवान ग्रेजुएट और डबल ग्रेजुएट हैं तथा औसत आयु मात्र 26 वर्ष है। उन्होंने कहा कि यह पहला बैच है जो नए आपराधिक कानूनों के लागू होने के बाद सेवा में आ रहा है और कानूनों की पूरी समझ के साथ जनता की सेवा करेगा।गृहमंत्री ने सीएम सैनी की तारीफ की केंद्रीय गृहमंत्री ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि पहले हरियाणा में नौकरियों को लेकर पर्ची-खर्ची की चर्चा होती थी, लेकिन अब योग्यता के आधार पर पारदर्शी भर्ती हो रही है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण आज पास आउट होने वाले जवान हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्दी में अपने बच्चों को देखकर माता-पिता गर्व महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और अमित शाह के नेतृत्व में देश की आंतरिक सुरक्षा मजबूत हुई है।

अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति ने पुलिस बल को नई ऊर्जा दी है। सीएम सैनी ने बताया कि नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में हरियाणा पुलिस की अहम भूमिका रही है और 5061 नए जवान इस अभियान के ब्रांड एंबेसडर होंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि प्रदेश में जल्द ही 6000 नए पुलिस कर्मियों की भर्ती की जाएगी, जिनमें करीब 1500 पद महिलाओं के लिए आरक्षित होंगे।

रेवाड़ी में दुष्कर्म के दोषी को मिली कठोर सजा, दादी से मिलने जा रही थी नाबालिग

रेवाड़ी : रेवाड़ी में नाबालिग से अपहरण और दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराध पर फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए दोषी को कड़ी सजा सुनाई है। अदालत ने स्पष्ट संदेश दिया है कि बच्चों के खिलाफ अपराध करने वालों के लिए समाज में कोई जगह नहीं है। थाना रामपुरा पुलिस की सटीक जांच और प्रभावी पैरवी के चलते अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट) लोकेश गुप्ता ने जिला झज्जर के गांव दादरी तोये निवासी राजेश को नाबालिग के अपहरण व दुष्कर्म का दोषी करार दिया। अदालत ने आरोपी को 20 वर्ष के कठोर कारावास और 26 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई है। जुमार्ना अदा न करने पर दोषी को 20 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। दादी से मिलने गई थी पीड़िता मामले के अनुसार, रेवाड़ी शहर की रहने वाली महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 15 वर्षीय बेटी 10 जून 2020 को दादी से मिलने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों द्वारा हर संभव प्रयास के बावजूद नाबालिग का कोई सुराग नहीं मिल पाया। सीसीटीवी से हुआ खुलासा

बाद में रास्ते में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सामने आने पर आरोपी द्वारा नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने की साजिश का खुलासा हुआ। शिकायत के आधार पर थाना रामपुरा में अपहरण का मामला दर्ज कर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। 18 जून 2020 को आरोपी को गांव कादीपुर, जिला गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान मिली अहम जानकारियों के आधार पर पुलिस ने राजस्थान के जिला कोटपूतली के एक गांव से नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया। बरामदगी के बाद नाबालिग के बयान ने आरोपी की हैवानियत को उजागर कर दिया। बयानों के आधार पर पुलिस ने मामले में दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट की कठोर धाराएं जोड़ते हुए जांच को और मजबूत किया। जांच पूरी होने पर अदालत में चार्जशीट दाखिल की गई। गवाहों के बयानों, तकनीकी साक्ष्यों और प्रस्तुत सबूतों पर गहन सुनवाई के बाद अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए कठोरत सजा सुनाई।

भूमि विस्थापितों के पक्ष में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, HSVP को लगाई कड़ी फटकार

चंडीगढ़ : पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने भूमि विस्थापितों से बढ़ी हुई दरों पर प्लॉट की कीमत वसूलने के मामले में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (HSVP) को कड़ी फटकार लगाई है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि कोई भी सार्वजनिक प्राधिकरण अपनी ही लापरवाही और प्रशासनिक देरी का लाभ नहीं उठा सकता। अदालत ने HSVP द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया को मनमाना, अनुचित और कानून के खिलाफ बताया है। जस्टिस अनुपिंदर सिंह ग्रेवाल और जस्टिस दीपक मनचंदा की खंडपीठ ने 58 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए विवादित मूल्य निर्धारण से जुड़े प्रावधानों को रद्द कर दिया। इसके साथ ही नागरिकों को अनावश्यक रूप से मुकदमेबाजी में उलझाने के लिए HSVP पर 3 लाख रुपये का दंडात्मक जुमार्ना भी लगाया गया। अदालत ने कहा कि जिन मामलों में प्लॉट के आवंटन में देरी पूरी तरह विकास प्राधिकरण की गलती से हुई हो, वहां विस्थापित व्यक्ति आवेदन की तारीख पर लागू दर के अनुसार ही भुगतान करने का हकदार होगा न कि वर्षों बाद बढ़ी हुई आरक्षित कीमत पर। न्यायालय ने दो टूक कहा कि प्रशासनिक देरी का बोझ नागरिकों पर नहीं डाला जा सकता। मामले में याचिकाकर्ता वे भूस्वामी थे, जिनकी जमीन शहरी विकास योजनाओं के तहत अधिग्रहित की गई थी। 2018 में जारी विज्ञापनों के अनुसार उन्होंने प्लॉट आवंटन के लिए आवेदन कर अग्रिम राशि जमा की थी, लेकिन HSVP ने छह से सात साल तक आवंटन पत्र जारी नहीं किए। जब 2025-26 में आवंटन किए गए, तो उनसे मौजूदा बढ़ी हुई दरों पर भुगतान की मांग की गई। HSVP की इस दलील को भी कोर्ट ने खारिज कर दिया कि 2018 के विज्ञापन में कीमत का उल्लेख नहीं था। कोर्ट ने कहा कि कीमत न बताना बाद में ज्यादा राशि वसूलने का आधार नहीं बन सकता। यह निष्पक्षता, पारदर्शिता और कानून के शासन के सिद्धांतों के खिलाफ है। हाईकोर्ट ने आवंटन पत्रों के विवादित खंडों को रद्द करते हुए HSVP को निर्देश दिया कि वह 2018 की नीति और पूर्व में दिए गए फैसलों के अनुरूप नई दरें तय करे। साथ ही सरकार को नसीहत दी कि समान परिस्थितियों वाले अन्य विस्थापितों को भी बिना भेदभाव समान लाभ दिया जाए, चाहे उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया हो या नहीं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत इस रेलवे स्टेशन का कायाकल्प, 32.91 करोड़ से होगा नवनिर्माण

रेवाड़ी : अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत भारतीय रेलवे देशभर के प्रमुख स्टेशनों का आधुनिक स्वरूप में विकास कर रही है। इसी कड़ी में रेवाड़ी रेलवे स्टेशन के नवनिर्माण एवं विकास के लिए उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा 32.91 करोड़ रुपये का बजट जारी किया गया है। इस परियोजना के तहत यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। रेवाड़ी स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म तक जाने हेतु 5 लिफ्ट और 4 एस्केलेटर लगाए जाएंगे। स्टेशन पर सभी आधुनिक यात्री सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशि किरण और डीसीएम मुकेश ने स्टेशन पहुंचकर नवीनीकरण कार्यों का अवलोकन किया। नवीनीकरण के तहत स्टेशन के सुविधा क्षेत्र को वर्तमान 430 वर्ग मीटर से बढ़ाकर लगभग 1600 वर्ग मीटर किया जाएगा। यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए एंट्री और एग्जिट गेट अलग-अलग बनाए जाएंगे। स्टेशन के फ्रंट एरिया में विशेष लाइटिंग व्यवस्था की जाएगी, जिससे स्टेशन का स्वरूप आकर्षक और सुरक्षित बनेगा। प्लेटफार्म बदलने के लिए 12 मीटर चौड़ा आधुनिक फुट ओवरब्रिज बनाया जाएगा। इसके अलावा स्टेशन परिसर में पार्किंग सुविधा विकसित की जाएगी। यात्रियों के लिए आरामदायक प्रतीक्षा कक्ष और वीआईपी रूम का भी निर्माण किया जाएगा। स्टेशन के शौचालयों को पूरी तरह आधुनिक स्वरूप दिया जाएगा। नवीनीकरण कार्यों के अंतर्गत प्लेटफार्म क्षेत्र के लगभग 6150 वर्ग मीटर हिस्से की सतह का भी सुधार किया जाएगा। यात्रियों को बेहतर जानकारी उपलब्ध कराने के लिए आधुनिक ट्रेन सूचना बोर्ड और कोच संकेत बोर्ड लगाए जाएंगे। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हो रहा यह नवनिर्माण रेवाड़ी रेलवे स्टेशन को आधुनिक, सुविधाजनक और यात्री-अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एक्शन मोड में अंबाला नगर परिषद, लोग नहीं मान रहे ये बात

अंबाला : अंबाला नगर परिषद आजकल एक्शन मोड में दिखाई दे रहा है। लगातार लोगों द्वारा अतिक्रमण किए गए अतिक्रमण को हटाया जा रहा । लगातार लोगों को चेतावनी भी दी जा रही है कि अतिक्रमण न करे लेकिन लोग है कि मानने को तैयार नहीं है । शहर को स्वच्छ और सुन्दर बनाने के लिए नगर परिषद लगातार प्रयास कर रहा है लोगों को समझाया जा रहा है कि शहर को गंदा न करें । नगर परिषद चीफ सेनेटरी इंस्पेक्टर सुनील दत्त ने कहा कि राय मार्किट से शिकायत मिल रही थी कि दुकानों के आगे रेहड़ियां लगा रही थी जिससे शहर की सफाई व्यवस्था खराब हो रही थी वहीं पार्क में भी बाहर से आकर शरारती तत्व रह रहे थे। उन्होंने यहां पर झोपडी भी बना रखी थी उनको यहां से हटाया गया है । यहां पर पूरा क्लीन कराया गया और लोगों को समझाया गया है कि अपनी हद में रहकर कार्य करे नहीं तो करवाई की जाएगी ।

अमेरिका भेजने का झांसा देकर वर्कशॉप ऑनर से 17.34 लाख की ठगी, दंपती पर केस दर्ज

कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र जिले में विदेश भेजने के नाम पर ठगी का एक गंभीर मामला सामने आया है। अमेरिका का वर्क परमिट दिलाकर नौकरी लगवाने का झांसा देकर एक दंपती ने पिपली क्षेत्र के वर्कशॉप संचालक से 17.34 लाख रुपये की ठगी कर ली। पैसे लेने के बाद न तो युवक को वीजा दिलवाया गया और न ही अमेरिका भेजा गया। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव बाजीदपुर निवासी लखविंदर सिंह ने बताया कि पिपली में उनकी मोटर वर्कशॉप है। इसी दौरान बकाली निवासी अंशदीप पंजेटा व उसकी पत्नी उनकी वर्कशॉप पर अपनी कार रिपेयर कराने के लिए आते-जाते थे। इसी जान-पहचान के दौरान आरोपियों ने उनके बेटे नवजोत सिंह को अमेरिका भेजने और तीन साल का वर्क वीजा दिलाकर वहां नौकरी लगवाने का लालच दिया। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपियों ने इस काम के बदले कुल 28 लाख रुपये की मांग की थी, जिसमें से 18 लाख रुपये एडवांस और शेष राशि अमेरिका पहुंचने के बाद देने की बात तय हुई। आरोपियों की बातों में आकर लखविंदर सिंह ने अलग-अलग तारीखों में 12.66 लाख रुपये बैंक के माध्यम से आरोपी के खाते में ट्रांसफर किए, जबकि 4.70 लाख रुपये नकद दिए। इस प्रकार कुल 17.34 लाख रुपये आरोपियों को सौंप दिए गए।

पीड़ित ने बताया कि रुपये लेने के बाद आरोपी लगातार वीजा लगने का भरोसा देते रहे, लेकिन काफी समय बीत जाने के बावजूद न तो वीजा लगा और न ही बेटे को अमेरिका भेजा गया। जब पैसे वापस मांगे गए तो आरोपी टालमटोल करने लगे। दबाव बढ़ाने पर आरोपियों ने 3 लाख रुपये का एक चेक दिया, जो क्लियर हो गया, लेकिन इसके बाद बाकी रकम लौटाने के बजाय आरोपी झूठे केस में फंसाने की धमकी देने लगे।आखिरकार पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी दंपती के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हरियाणा के अंबाला का वो 163 साल पुराना एतिहासिक चर्च, इसका इतिहास जानकार रह जाएंगे हैरान

अंबाला : अंबाला कैंट स्थित सेंट पॉल चर्च बेशक जर्जर हालत में है, लेकिन इसका इतिहास काफी दमदार है। करीब 163 सालों का इतिहास इस चर्च का है। आज यह आर्कियोलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया (एएसआइ) के रिकॉर्ड में यह चर्च है। भारत-पाक युद्ध 1965 के दौरान पाकिस्तानी लड़ाकू जहाजों ने इस चर्च पर बम गिराये, जिसके कारण यह क्षतिग्रस्त हो गया है। बीते 55 सालों से यह चर्च जर्जर हालत में है। जब यह चर्च बनाया गया था, तो उत्तर भारत के चुनिंदा चर्च में यह शुमार था। एएसआइ की ओर से कांग्रेस कार्यकाल में इसके लिए राशि मंजूर तो की गई, लेकिन यह जारी नहीं हो पाई। इसी कारण से चर्च आज भी जर्जर हालत में ही है। यह है इतिहासजनवरी 1857 में इस चर्च का निर्माण किया गया था। सैंकड़ों की संख्या में श्रद्धालु प्रार्थना के लिए इकठ्ठा होते थे। इसी चर्च में ब्रिटिश काल में क्वीन विक्टोरिया की दूसरी बरसी पर भी विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन हुआ था। ब्रिटिश काल में बनी यह चर्च उत्तर भारत के चुङ्कषनदा चर्च में शामिल थी। इसका भीतरी हिस्सा काफी शानदार था, जिसकी यादें अब तस्वीरों में ही हैं। इसी चर्च में 1857 की बाइबल भी मौजूद है। इस चर्च के पास ही इन दिनों एयरफोर्स स्कूल चलाया जा रहा है। सेंट पॉल चर्च भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध में क्षतिग्रस्त हो गया था। पाक लड़ाकू जहाज एयरफोर्स की हवाई पट्टी को नुकसान पहुंचाने के लिए आए थे, लेकिन उन्होंने इस चर्च पर बम बरसा दिए। इस बमबारी में यह खूबसूरत चर्च क्षतिग्रस्त हो गया था। इसी चर्च में रखे क्रॉस को भी नुकसान हुआ था। यह क्रॉस आज भी मौजूद है। चर्च के क्षतिग्रस्त होने के बाद इसे कुछ ही दूरी पर शिफ्ट कर दिया गया था। आज जिस स्थान पर इसे चर्च का रूप दिया गया है, उसके पास ही ब्रिटिश काल की बैल्ल भी है।

अंबाला कैंट स्थित सेंट पॉल चर्च बेशक जर्जर हालत में है, लेकिन इसका इतिहास काफी दमदार है। करीब 163 सालों का इतिहास इस चर्च का है। आज यह आर्कियोलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया (एएसआइ) के रिकॉर्ड में यह चर्च है।

खबर एक्सप्रेस

सोनीपत में ASI रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार, सड़क हादसे के मामले में मांग रहा था घूस

सोनीपत : सोनीपत में भ्रष्टाचार के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) ने सख्त कार्रवाई करते हुए सैदपुर पुलिस चौकी में तैनात एक एएसआई को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी एएसआई पर सड़क हादसे से जुड़े एक मामले में अवैध रूप से रुपये मांगने का आरोप है। जानकारी के अनुसार, एएसआई विजयपाल ने एक सड़क दुर्घटना के केस में जब्त वाहन की सुपरदारी से संबंधित कार्रवाई के बदले पानीपत निवासी युवक से 5 हजार रुपये की मांग की थी। पीड़ित ने इस मांग से परेशान होकर एंटी करप्शन ब्यूरो से शिकायत की। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने मामले की गोपनीय जांच की, जिसमें आरोप सही पाए गए। इसके बाद एसीबी टीम ने आरोपी एएसआइ को फंसाने के लिए प्लान बनाया। तय समय और स्थान पर जैसे ही आरोपी अरकने शिकायतकर्ता से रिश्वत की रकम ली, एसीबी टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे मौके पर ही पकड़ लिया। रिश्वत की राशि को बरामद कर लिया गया है। गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम सैदपुर पुलिस चौकी पहुंची, जहां आवश्यक कागजी कार्रवाई की गई। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, मामले की विस्तृत जांच की जाएगी और यह भी पता लगाया जाएगा कि आरोपी ने पहले भी इस तरह की गतिविधियों को अंजाम दिया है या नहीं। इस कार्रवाई के बाद जिले में हड़कंप मच गया है और पुलिस विभाग में भी सख्त संदेश गया है कि भ्रष्टाचार किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बास्केटबॉल खिलाड़ी अमन की मौत , हादसे के एक महीने बाद जागी पुलिस

बहादुरगढ़ : बहादुरगढ़ के बास्केटबॉल खिलाड़ी अमन की मौत के मामले में आखिरकार पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। शहर थाना में अमन के पिता की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 के तहत मामला दर्ज किया गया है। खास बात यह है कि यह एफआईआर हादसे के करीब एक महीने बाद दर्ज की गई है। जानकारी के अनुसार 23 नवंबर को ब्रिगेडियर होशियार सिंह स्टेडियम में अभ्यास के दौरान बास्केटबॉल का जर्जर पोल अचानक गिर गया था। हादसे में अमन गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए पीजीआई रोहतक रेफर किया गया। अगले दिन 24 नवंबर को इलाज के दौरान अमन की मौत हो गई। परिजनों ने इस मामले में स्टेडियम प्रशासन की गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया था। साथ ही पीजीआई के डॉक्टरों पर भी इलाज में लापरवाही के आरोप लगाए गए थे। हादसे के बाद प्रशासन ने एसडीएम की अध्यक्षता में जांच कमेटी का गठन किया था, लेकिन एक महीने बाद भी जांच कमेटी की रिपोर्ट सामने नहीं आई है। अब तक यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि स्टेडियम में लगे जर्जर बास्केटबॉल पोल की जिम्मेदारी किस विभाग या अधिकारी की थी। जिम्मेदारी तय न होने से प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।वहीं बहादुरगढ़ के शहर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जमील अहमद का कहना है कि एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, अमन के परिजन दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और न्याय की मांग कर रहे हैं। ऐसे में अब देखना होगा कि पुलिस जांच में क्या निकलकर सामने आता है।

हरियाणा के 5061 नए पुलिस जवानों में 20% पोस्ट ग्रेजुएट, प्रशिक्षण के बाद पास होंगे पास आउट

चंडीगढ़: पंचकूला में सेक्टर-3 स्थित ताऊ नी देवीलाल स्टेडियम में बुधवार को जी आयोजित पासिंग आउट परेड के ही बाद प्रदेश पुलिस को 5,061 नए ग जवान मिलेंगे। गृह एवं सहकारिता ना मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि क के रूप में परेड की सलामी लेंगे। 5,061 जवानों में 969 (20%) ने स्नातकोत्तर, 3,324 स्नातक और से 768 जवान 12वीं/डिप्लोमा योग्यता की वाले हैं। बड़ी संख्या में जवान हिंदी, में अंग्रेजी और पंजाबी भाषाओं में क दक्ष हैं, जिससे जन-संवाद, साइबर व अपराध, तकनीक-आधारित पुलिसिंग बई और नागरिक केंद्रित सेवाओं को व मजबूती मिलेगी। इन सभी को कर कर्मयोगी पोर्टल पर रजिस्टर किया व गया है और अलग-अलग कोर्स करने के लिए प्रेरित किया गया है। मधुबन, पीटीसी सुनारिया, आरटीसी भोंडसी, अम्बाला और नेवल प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके ये जवान 16 दिसंबर 2024 से 22 सितंबर 2025 तक चले प्रशिक्षण के बाद पास आउट होंगे। इस बैच में महिला प्रशिक्षुओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। जींद की निशु ने ओवरऑल टॉपर बनकर प्रथम स्थान प्राप्त किया, गुरुग्राम के मोहित ने द्वितीय, जबकि हिसार के मंजीत चहल ने तृतीय स्थान प्राप्त करने के साथ बेस्ट आउटडोर ट्रॉफी अपने नाम की। इसके अतिरिक्त अन्य राज्यों के 32 युवाओं ने भी प्रशिक्षण पूरा कर हरियाणा पुलिस में शामिल होने का गौरव प्राप्त किया है।

करनाल नहर में गली-सड़ी हालत में मिला अज्ञात महिला का शव, शरीर पर तेजधार हथियारों के निशान

करनाल : करनाल जिले के चमार खेड़ा गांव के पास नहर में महिला का शव मिला जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि शव की हालत बेहद खराब है। शव सड़-गल चुका है और एक टांग गलकर शरीर से अलग हो चुकी है। महिला के शरीर पर तेजधार हथियार से वार किए गए हैं, जिससे जताया जा रहा है कि हत्या की गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नहर से बाहर निकलवाया। बताया जा रहा है कि सेवादार चमार खेड़ा के चरणजीत सिंह बाली नहर के पास से गुजर रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर नहर में तैरते एक शव पर पड़ी। उन्होंने तुरंत आसपास के लोगों को मौके पर बुलाया और शव को नहर के किनारे लगवाने का प्रयास किया। इसके बाद डायल-112 की टीम को सूचना दी गई। गोताखोर आशु मलिक की मदद से शव को नहर से बाहर निकाला गया। 72 घंटे के भीतर पहचान नहीं हो पाती है, तो शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर दाह संस्कार करवा दिया जाएगा। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है।

हरियाणा में रेल यात्रियों के लिए राहत भरी खबर, 2 ट्रेनों को मिला नया ठहराव

हरियाणा : हरियाणा के रेल यात्रियों के लिए अच्छी खबर आई है। मंडी आदमपुर क्षेत्र और सिवानी इलाके की सालों पुरानी मांग को रेलवे ने स्वीकार कर लिया है। अब इन दोनों क्षेत्रों को लंबी दूरी की महत्वपूर्ण ट्रेनों का ठहराव मिलने जा रहा है, जिससे यात्रियों की कनेक्टिविटी और सुविधाएं काफी बेहतर होंगी। रेलवे ने गाड़ी संख्या 12555 और 12556 गोरखधाम एक्सप्रेस का ठहराव मंडी आदमपुर रेलवे स्टेशन पर स्वीकृत कर दिया है। वहीं गाड़ी संख्या 14717 और 14718 बीकानेर हरिद्वार एक्सप्रेस को सिवानी स्टेशन पर ठहराव देने की मंजूरी दी गई है। इस संबंध में रेल मंत्रालय की ओर से मंगलवार को आधिकारिक स्वीकृति जारी की गई। बीकानेरझहरिद्वार एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 14717 और 14718 बीकानेर जंक्शन से हरिद्वार के बीच संचालित होती है।

विजय हजारे ट्रॉफी में रोहित के तेज शतक से मुम्बई जीती

जयपुर (एजेंसी)। अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने मुंबई की ओर से खेलते हुए विजय हजारे ट्रॉफी के एलीट ग्रुप सी मुकाबले में सिक्किम के खिलाफ 155 रनों की आक्रामक पारी खेली। एक दशक के बाद ये टूर्नामेंट खेल रहे रोहित की इस शतकीय पारी से मुंबई ने सिक्किम को आसानी से हरा दिया। इस मैच में मुंबई को जीत के लिए 237 रनों का लक्ष्य मिला था। जिसे उसने 30.3 ओवर में ही दो विकेट पर 237 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस प्रकार मुम्बई को 8 विकेट से जीत मिली है।

लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की ओर से अंगकृष रघुवंशी और रोहित शर्मा की जोड़ी ने तेज शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 141 रन बनाये। अंगकृष रघुवंशी 38 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके लगाये। वहीं रोहित एक छोर पर जमे रहे और उन्होंने शतकीय पारी खेली। उन्होंने 94 गेंदों में 18 चौके और नौ छक्के लगाकर 155 रनों रन बनाये। वह 30वें ओवर में क्रांति कुमार का शिकार बने। मुंबई ने 30.3 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। उस समय मुशीर खान 27 और सरफराज खान 8 रन बनाकर खेल रहे थे। इससे पहले इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सिक्किम ने 50 ओवरों में सात विकेट पर 236 रन बनाये। आशीष थापा ने सिक्किम की ओर से सबसे अधिक 79 रन बनाये। वहीं मुंबई की ओर से शार्दुल ठाकुर ने छह ओवर में 19 रन देकर दो विकेट लिए जबकि तुषार देशपांडे जबकि , तनुष कोटियान, शम्स मुलानी और मुशीर खान को एक-एक विकेट मिला।

विराट ने विजय हजारे ट्रॉफी में शतकीय पारी के साथ ही लिस्ट ए क्रिकेट में 16,000 रन पूरी किये

बेंगलुरु । अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने एक दशक के बाद विजय हजारे ट्रॉफी में वापसी करते हुए एक रन बनाते ही लिस्ट ए क्रिकेट में अपने 16,000 रन पूरे कर लिए। इस प्रकार वह महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बाद ये उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे भारतीय बने हैं। वहीं इसी के साथ ही लिस्ट ए में वह इतने रन बनाने वाले विश्व के नौवे खिलाड़ी बन गये हैं। लिस्ट एक में इतने अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों के क्लब में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के अलावा श्रीलंका के कुमार संगकारा और वेस्टइंडीज के सर विवियन रिचर्ड्स भी शामिल हैं। यहां बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में विराट ने दिल्ली की ओर से खेलते हुए आंध्र प्रदेश के खिलाफ मैच में विराट ने शतक लगाने के दौरान ही ये उपलब्धि हासिल की। कोहली ने इससे पहले साल 2010-11 सत्र में विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली की कप्तानी की थी। कोहली 308 मैचों में 58.46 के असाधारण औसत से 14,557 रन के साथ वनडे क्रिकेट में 14,000 रन बनाने वाले सबसे तेज खिलाड़ी हैं। उनके नाम इस प्रारुप में सबसे ज्यादा शतक भी हैं, उनके नाम 53 शतक हैं। वह लिस्ट ए क्रिकेट में तेंदुलकर के 60 शतकों के रिकॉर्ड का पीछा कर रहे हैं। उनके नाम अब 58 शतक हो गये हैं।

आर्चर मांसपेशियों में खिंचाव के कारण एशेज सीरीज से बाहर हुए, एटकिंसन शामिल

-ऑली की जगह बेथेल को मौका

मेलबर्न (एजेंसी)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर मांसपेशियों में खिंचाव के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज के बचे हुए दोनो टेस्ट मैचों में नहीं खेल पायेंगे। पहले ही खराब प्रदर्शन से जूझ रही इंग्लैंड के लिए ये करारा झटका है। आर्चर ने अब तक इस सीरीज में अच्छी गेंदबाजी की है। ऐसे में उनके बाहर होने से टीम की गेंदबाजी कमजोर होगी। आर्चर की जगह गस एटकिंसन को अंतिम एकादश में शामिल किया गया है। ये पहली बार नहीं है जब आर्चर चोटिल हुए हैं। वह पिछले चार साल से पीठ और दाहिनी कोहनी में स्ट्रेस फ्रैक्चर सहित कई तरह की परेशानियों से जूझते जा रहे हैं। इसी कारण अधिकतर समय मैदान से बाहर रहे हैं। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टेस्ट 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट मैदान (एमसीजी) में शुरू होगा। वहीं पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच चार जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में अभी 3-0 से आगे है और उसने एशेज ट्रॉफी अपने पास बरकरार रखी है। आर्चर बुधवार को अभ्यास सत्र के लिए मैदान

पर पहुंचे थे पर कर नहीं पाये। बाद में टीम के एक प्रवक्ता ने कहा कि वह दौरे के बचे हुए दोनो मैचों से बाहर हो गए हैं। आर्चर ने तीन टेस्ट मैचों में 27.11 की औसत से 9 विकेट लिए थे। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने चौथे टेस्ट मैच के लिए बुधवार को अपनी टीम की घोषणा की जिसमें आर्चर की जगह गस एटकिंसन को अंतिम एकादश में शामिल किया गया है। इसके अलावा बल्लेबाज ओली पोप की जगह जैकब बेथेल को टीम में लिया गया है। वहीं बेन डकेट सीरीज में खराब प्रदर्शन के बाद भी टीम में बने हुए हैं।

टीम इस प्रकार है

बेन स्टोक्स (कप्तान),जैक क्रॉली, बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रुक, जेमी स्मिथ, विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स और जोश टोंग।

वैभव ने विजय हजारे ट्रॉफी में 36 गेंदों में ही शतक लगाकर बनाये कई रिकार्ड

मुम्बई (एजेंसी)। बिहार के वैभव सूर्यवंशी ने विजय हजारे ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ हुए मुकाबले में 36 गेंदों में ही शतक लगाकर एक एकसाथ कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। वैभव ने इस मैच में 36 गेंदों में ही शतक लगाकर जहूर इलाही का 39 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इसके अलावा वैभव अब भारतीय टीम की ओर से लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने हैं। इससे पहले भारतीय टीम की ओर से लिस्ट ए में सबसे तेज शतक का रिकार्ड अनमोलप्रीत सिंह के नाम था। अनमोलप्रीत ने 35 गेंदों में ही सबसे तेज शतक लगाया था।

वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखा जाये तो सबसे तेज लिस्ट-ए शतक का रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया के जेक फ्रेजर-मैकगर्क के नाम है। जेक फ्रेजर ने केवल 29 गेंदों में ही शतक लगा दिया था। वहीं दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स हैं। डिविलियर्स ने 31 गेंदों में शतकीय पारी खेली थी। भारतीय भारत की ओर से इस सूची में अनमोलप्रीत और अब वैभव शामिल हैं।

अनमोलप्रीत ने साल 2024 में पंजाब की ओर से अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ केवल 35 गेंदों में ही शतक लगा दिया था। वहीं अब वैभव ने आज अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 36 गेंदों में शतक लगाकर दूसरा स्थान हासिल किया है।

हार्दिक सिंह के नाम मेजर ध्यानचंद खेलरत्न, 24 खिलाड़ी अर्जुन पुरस्कार के लिए नामित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उपकप्तान हार्दिक सिंह का नाम इस वर्ष मेजर ध्यानचंद खेलरत्न पुरस्कार के लिए अनुशंसित किया गया है। वहीं, युवा खिलाड़ियों समेत 24 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार के लिए चयन समिति ने नामित किया है।

हार्दिक सिंह का शानदार रिकॉर्ड

हार्दिक सिंह टोक्यो ओलंपिक 2021 और पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे हैं। इसके अलावा, वह इस साल एशिया कप 2025 में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम में भी शामिल थे।

अर्जुन पुरस्कार के लिए नामित युवा सितारे

इस वर्ष युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख और डेकाथलीट तेजस्विन शंकर सहित कुल 24 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार के लिए अनुशंसित किया गया। चयन समिति ने यह निर्णय बुधवार को हुई बैठक में लिया।

अर्जुन पुरस्कार में पहली बार योगासन खिलाड़ी

सूत्रों के अनुसार, खेल मंत्रालय से औपचारिक मान्यता मिलने के पांच साल बाद पहली बार योगासन खिलाड़ी आरती पाल का नाम अर्जुन पुरस्कार के लिए सुझाया गया। आरती राष्ट्रीय और एशियाई चैम्पियन हैं। एशियाई खेल 2026 में योगासन नुमाइशी खेल के रूप में शामिल होगा।

चयन समिति और अन्य नाम

चयन समिति में भारतीय ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष गगन नारंग, पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी अपर्णा पोपट और पूर्व हॉकी खिलाड़ी एम एम सोमाया शामिल हैं। अन्य प्रमुख अर्जुन पुरस्कार नामांकित खिलाड़ी हैं- तेजस्विन शंकर (एथलेटिक्स), प्रियंका (एथलेटिक्स), नरेंदर (मुक्केबाजी), विदित गुजराती (शतरंज), दिव्या देशमुख (शतरंज), धनुष श्रीकांत (बधिर निशानेबाजी), प्रणति नायक (जिम्नास्टिक), राजकुमार पाल (हॉकी), सुरजीत (कबड्डी), निर्मला भाटी (खो-खो), रूद्रांक्ष खंडेलवाल (पैरा निशानेबाजी), एकता भयान (पैरा एथलेटिक्स), पद्मनाभ सिंह (पोलो), अरविंद सिंह (नौकायन), अखिल श्योराण (निशानेबाजी), मेहुली घोष (निशानेबाजी), सुतीर्था मुखर्जी (टेबल टेनिस), सोनम मलिक (कुश्ती), आरती (योग), त्रिसा जॉली (बैडमिंटन), गायत्री गोपीचंद (बैडमिंटन), लालरेम्सियामी (हॉकी), मोहम्मद अफजल (एथलेटिक्स) और पूजा (कबड्डी)।

पुरस्कार की राशि और पिछली बार के विजेता

खेलरत्न पुरस्कार के साथ प्रशस्ति पत्र, पदक और 25 लाख रुपये दिए जाते हैं। जबकि अर्जुन पुरस्कार के साथ 15 लाख रुपये का प्रावधान है। पिछले साल चार खिलाड़ियों को खेलरत्न से नवाजा गया था: विश्व चैम्पियन शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश, पुरुष हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह, पैरा एथलीट प्रवीण कुमार और निशानेबाज मनु भाकर।

नेमार को विश्वकप फुटबॉल खेलने की उम्मीद

साओ पाउलो (ईएमएस)। ब्राजील के स्टार स्ट्राइकर नेमार के घुटने की सर्जरी सफल रही है और उनके अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले फुटबॉल विश्व कप में खेलने की उम्मीद जतायी जा रही है। नेमार के क्लब सैंटोस ने बताया कि नेमार की सर्जरी गंभीर नहीं थी। साथ ही उम्मीद जतायी कि ये स्टार खिलाड़ी अब जल्द ही फिटनेस हासिल करने में सफल रहेगा। पिछले सप्ताह एक कार्यक्रम में नेमार ने कहा, मुझे अब भी उम्मीद है कि मैं विश्व कप में खेलूंगा और ब्राजील की तरफ से फाइनल में गोल करूंगा। उन्होंने अपनी टीम और देश के लिए खेलने के सभी प्रयास करने की भी बात कही। वहीं ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी को भी उम्मीद है कि नेमार विश्वकप से पहले फिट हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि अभी नेमार का नाम टीम में शामिल नहीं है पर फिट होते ही उन्हें शामिल कर लिया जाएगा। जिस प्रकार से वह उत्साह से भरे हैं उससे साफ है कि वह खेलना चाहते हैं। वहीं नेमार ने कहा, हम इस बार कप को ब्राजील लाने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे। जुलाई में आप हमें इसकी याद दिला सकते हैं। कोच इसमें हमारी सहायता करेंगे। वहीं माना जा रहा है कि नेमार की वापसी टीम के लिए बेहद जरुरी है। इसी कारण सभी की नजरें उनकी फिटनेस पर लगी हैं।

अक्षर को ऑलराउंडर होने के कारण मिली उपकप्तानी : पनेसर

लंदन । अगले साल की शुरुआत में होने वाले टी20 विश्वकप में स्पिन ऑलरांउडर अक्षर पटेल भारतीय टी20 टीम की उपकप्तानी करेंगे। अक्षर को शुभमन गिल की जगह पर उपप्तान बनाया गया है। शुभमन को फार्म में नहीं होने के करण टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं अक्षर को उकप्तानी दिये जाने को इंग्लैंड के स्पिनर मोंटी पनेसर ने एक अच्छा कदम बताया है। पनेसर के अनुसार टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में अक्षर को ऑलराउंडर होने के कारण उपकप्तान बनाया गया है। उन्होंने कहा कि कोच गौतम गंभीर अधिक से अधिक ऑलराउंडररों को टीम में चाहते हैं। ऐसे में विश्व कप 2026 के बाद अक्षर को टी20 की कप्तानी भी दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि खराब फॉर्म के चलते शुभमन टीम में अपनी जगह बचा नहीं पाये। इसी कारण अक्षर की उपकप्तान के तौर पर वापसी हुई है। इससे पहले टी20 एशिया कप 2025 में भी अक्षर उपकप्तान रहे थे। पनेसर ने कहा, गंभीर ऐसे खिलाड़ियों को टीम में अधिक पसंद करते हैं जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही कर दे सकें। ऐसे में भारतीय टीम जीतती है तो अक्षर को टी20 कप्तान बना बनाया जा सकता है-। अक्षर पटेल हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी की थी।

भारतीय हॉकी टीम विश्व कप में जीत की प्रबल दावेदार : डोरेन

कोपनहेगन (एजेंसी)। बेल्जियम के दिग्गज हॉकी खिलाड़ी आर्थर वैन डोरेन ने कहा है कि भारतीय टीम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में लगातार बेहतर हुआ है ओर वह 2026 में होने वाले विश्व कप में जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उभरी है। डोरेन का मानना है कि भारतीय टीम को किसी भी प्रकार से कमजोर नहीं माना जा सकता है।

डोरेन ने कहा, 'भारत को बड़ा दावेदार न मानना बड़ी भूल होगी। इसका कारण है कि भारतीय टीम ने पिछले कुछ समय में लगातार सफलता हासिल की है। उसने ओलंपिक में भी पिछली बार कांस्य पदक जीता था। इससे साफ है कि टीम का स्तर पहले से बेहतर हुआ है।

डोरेन के अनुसार भारतीय टीम का

संतुलन अच्छा है। उन्होंने कहा, ''उनके पास हर विभाग में अच्छे खिलाड़ी हैं। उनके पास एक अच्छा कोच है, युवा वह अनुभवी खिलाड़ी हैं। भारतीय टीम को पिछले कुछ समय में किसे प्रयासों का लाभ मिला है। डोरेन ने कहा कि विश्व कप में किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया सकता है और खिताबी दौड़ बेहद कड़ी होने की संभावना है। उन्होंने कहा, 'भारत और बेल्जियम जैसी टीमों के लिए राह आसान नहीं होगी क्योंकि पांच, छह या सात और टीमें हैं जो हमारी तरह ही बढ़े हुए मनोबल से उतरेंगी हैं। इससे साफ है कि मुकाबला आसान नहीं रहेगा। डोरेन ने भारत के उभरते खिलाड़ियों की तकनीकी क्षमता की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'भारतीय हॉकी टीम विश्व की किसी भी अन्य टीम की तुलना में अधिक व्यस्त हैं। वे सीखना चाहते हैं, खेलना चाहते हैं और प्रगति करना चाहते हैं। उसके पास कई युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। उनके खिलाड़ी कम उम्र में ही अपने कौशल को अगले स्तर पर पहुंचा देते हैं।

हॉकी इंडिया लीग में कप्तानी करेंगे हरमनप्रीत और सविता

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के लिए कप्तान घोषित कर दिये गये हैं। हॉकी इंडिया ने कहा है कि हरमनप्रीत सिंह सूरमा हॉकी क्लब की पुरुष टीम की कप्तानी करेंगी जबकि महिला टीम की कप्तानी सविता करेंगी। हरमनप्रीत ने कप्तानी मिलने पर खुशी जताते हुए कहा कि टीम का नेतृत्व करना हमेशा ही उनके लिए विशेष अनुभव रहा है। गौरतलब है कि पुरुष टीम पिछले सत्र में तीसरे स्थान पर रही थी। हरमनप्रीत ने कहा, इस टूर्नामेंट से हमें अपनी क्षमताओंका पता चलता है। इसके अलावा हमारा मनोबल भी बढ़ता है। । मेरा मानना है कि हमारे पास बेहतर टीमों को भी टक्कर देने वाली टीम है। लीग में पुरुष टीम का पहला मुकाबला 4 जनवरी को चेन्नई में मौजूदा चैंपियन श्राची रार बंगाल टाइगर्स से होगा। इस टूर्नामेंट के मैच चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में खेले जाएंगे। वहीं महिला टीम की कप्तानी सविता करेंगी जबकि सलीमा टेटे को उप-कप्तानी दी गयी है। पहले साल टीम दूसरे नंबर पर रही थी और टीम की ओर से सविता और सलीमा ने अच्छा प्रदर्शन किया था। महिला टीम का पहला मुकाबला 29 दिसंबर को रांची में श्राची रार बंगाल टाइगर्स से होगा। महिला टीम अपने सभी मैच रांची में खेलेगी।

कमिंस शायद ही खेल पायें टी20 विश्वकप : रिपोर्ट

मेलबन। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान पैट कमिंस का अगले साल फरवरी में शुरु हो रहे टी20 विश्व कप में खेलना तय नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार कमिंस अभी तक अपनी पीठ की चोट से नहीं उबरे हैं। इसी कारण कमिंस इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के पहले दो मैचों में भी नहीं खेल पाए थे। उन्होंने एडिलेड में खेले गए तीसरे एशेज टेस्ट में वापसी की और छह विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को श्रृंखला में 3-0 से जीत दिल दी। इसके बाद उन्हें बचे हुए दो मैचों के लिए आराम दिया जा रहा है ताकि वह पूरी तरह से फिट हो सकें। इससे साफ है कि वह शायद ही टी20 विश्व कप में खेल पाये। ऑलराउंडर मिचेल मार्श टी20 अंतरराष्ट्रीय में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा, 'विश्व कप के लिए कमिंसटीम में शामिल होंगे या नहीं, मैं अभी इस बारे में स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कर सकता। अभी को देखकर तो यही कहा जा सकता है कि कि वह फिट नहीं हैं पर हमें उम्मीद है कि विश्वकप तब तक फिट हो जाएंगे। उन्होंने कहा, 'वह ठीक है लेकिन हम किसी तरह का खतरा नहीं उठाना चाहते हैं। हमने एशेज सीरीज जीत का लक्ष्य पा लिया है। कमिंस सीरीज के बचे हुए मैचों में नहीं खेलेंगे। उनकी वापसी को लेकर हमने काफी समय पहले इस बारे में बात की थी। टी20 विश्व कप सात फरवरी से शुरू होगा और उसका फाइनल आठ मार्च को खेला जाएगा। इसमें ऑस्ट्रेलियाई टीम अपना पहला मैच 11 फरवरी को कोलंबो में आयरलैंड से खेलेगी।

तिलक वर्मा तीसरे स्थान पर पहुंचे, वरुण चक्रवर्ती शीर्ष पर मजबूत

दुबई (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खत्म हुई पांच मैचों की टी20 सीरीज के खिलाड़ियों को पुरुष टी20 प्लेयर रैंकिंग में फायदा हुआ, जिसे टीम इंडिया ने 3-1 से जीता। अहमदाबाद में निर्णायक मैच रनों का अंबार था, जिसमें मेजबान टीम ने पहली पारी में 231 रन बनाए। भारत के टॉप स्कोरर तिलक वर्मा ने 42 गेंदों में 73 रन बनाए, जिससे वह श्रीलंका के पथुम निसंका को पीछे छोड़कर 805 रेटिंग पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए, जबकि डेवाल्ड ब्रेविस की तेज 31 रनों की पारी ने उन्हें टॉप 10 में जगह बनाने में मदद की।

जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी (चार ओवर में 2/17) की बदौलत भारत कुल स्कोर का बचाव करने में सफल रहा, जबकि वह मैच में एकमात्र गेंदबाज थे जिन्होंने प्रति गेंद एक रन से कम की इकॉनमी से गेंदबाजी की। इससे उन्हें गेंदबाजी रैंकिंग में 10 स्थानों की छलांग लगाकर महेश थीक्षाना (622) के साथ संयुक्त 18वें स्थान पर पहुंचने में मदद मिली। वरुण चक्रवर्ती के चार विकेट लेने से रैंकिंग में उनका शीर्ष स्थान और मजबूत हो गया है, उनकी 804 की रेटिंग दूसरे स्थान पर मौजूद जैकब डफी (699) से काफी आगे है।

आईसीसी पुरुष खिलाड़ी रैंकिंग में ताजा अपडेट के बाद ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड की टेस्ट जीत में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को फायदा हुआ है। दोनों टीमों के खिलाड़ियों के लिए यह दोहरी खुशी का मौका था क्योंकि उन्होंने सीरीज जीत हासिल की, ऑस्ट्रेलिया ने घर पर एशेज अभियान में इंग्लैंड के खिलाफ 3-0 की अजेय बढ़त बना ली, और ब्लैक कैप्स ने माउंट माउंगानुई में वेस्टइंडीज के खिलाफ 2-0 से सीरीज जीत हासिल की।

इन प्रदर्शनों के कारण कुछ ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी और गेंदबाजी रैंकिंग में टॉप स्थानों के करीब पहुंच गए हैं। एडिलेड में 82 रन की जीत में, ऑस्ट्रेलिया को ट्रैविस हेड ने टॉप ऑर्डर में आगे बढ़ाया, उनकी दूसरी पारी में 219 गेंदों पर 170 रन की पारी ने जीत की नींव रखी। इस पारी ने हेड को रैंकिंग में चार स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त तीसरे (815) स्थान पर पहुंचा दिया, जो उनके साथी स्टीव स्मिथ के साथ है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) के अनुसार एलेक्स कैरी के पहली पारी के शतक ने ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर को छह स्थान ऊपर चढ़ाकर टॉप दस में पहुंचा दिया, और वह 737 की करियर-सर्वश्रेष्ठ रेटिंग के साथ नौवें स्थान पर पहुंच गए। तस्मान सागर के पार, यह न्यूज़ीलैंड की शानदार बल्लेबाजी थी जिसने वेस्टइंडीज के खिलाफ उनकी जीत की नींव रखी, और वे 2-0 से सीरीज विजेता बने।

रचिन रवींद्र के नाबाद 72 और 46 रनों ने उन्हें पांच स्थान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंचा दिया, जबकि डेवोन कॉनवे के शानदार 227 और 100 रनों ने उन्हें 681 की करियर-उच्च रेटिंग तक पहुंचाया, जिससे वह संयुक्त 17वें स्थान पर आ गए। जवाब में, कैवेम हॉज की 123 रन की नाबाद जुझारू पारी ने उन्हें 11 स्थान ऊपर चढ़कर 66वें स्थान पर पहुंचा दिया, जो उनकी करियर-सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग और रेटिंग दोनों है।

गेंदबाजी की बात करें तो दो ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अब जसप्रीत बुमराह को नंबर 1 टेस्ट गेंदबाज के रूप में चुनौती देने के लिए सबसे

अच्छी स्थिति में हैं। मिशेल स्टार्क (तीसरे) और पैट कमिंस (चार स्थान ऊपर चढ़कर 849 की रेटिंग के साथ दूसरे स्थान पर) ने एडिलेड में मिलकर दस विकेट लिए, कमिंस भारत के मुख्य गेंदबाज से 30 रेटिंग अंक पीछे हैं। जीत में अहम अर्धशतक बनाने के बाद स्टाक 'टेस्ट ऑलराउंडर्स की लिस्ट में तीसरे स्थान पर पहुंच गए, और एशेज के प्रतिद्वंद्वी बेन स्टोक्स के साथ 311 की रेटिंग पर बराबरी पर आ गए।

68 वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में हिमांशु और रमिता को स्वर्ण

भोपाल। हरियाणा के हिमांशु ढिल्लों औ रमिता जिंदल ने यहां आयोजित 68 वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप की 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पर निशाना लगाया। रमिता और हिमांशु ने फाइनल में महाराष्ट्र की आर्य बोरसे और पार्थ माने की जोड़ी को 16-12 से पराजित किया। इस मुकाबले की शुरुआत से ही रमिता और हिमांशु ने सटीक निशाने लगाये और अपना पहला स्थान तय किया। इससे पहले पूरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में सोमवार को हिमांशु ने 634.5 का राष्ट्रीय और जूनियर रिकॉर्ड भी बनाया था। इससे टीम को भी लाभ मिला है। वहीं दिल्ली की राजश्री संचेती और पार्थ मखीजा ने मध्य प्रदेश की श्रेया अग्रवाल और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर की जोड़ी के खिलाफ 17-15 से जीत हासिल कर कांस्य पदक पर कब्जा किया।

अक्षय कुमार होस्ट करेंगे दुनिया का सबसे बड़ा गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून'

'खिलाड़ी कुमार' यानी अक्षय कुमार फिल्मों में लोगों को एंटरटेन करने के बाद अब टीवी पर गेम खिलाने के लिए आ रहे हैं। एक बार फिर अक्षय कुमार बड़े पर्दे के अलावा छोटे पर्दे पर नजर आने वाले हैं। वो एमी अवॉर्ड विनर टीवी गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' भारत में लेकर आ रहे हैं। अक्षय कुमार इस शो को होस्ट करेंगे।

सोनी टीवी पर आएगा शो

आठ बार एमी अवॉर्ड जीतने वाला अमेरिका का नंबर वन टेलीविजन गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' अब भारत में सोनी टीवी और सोनी लिव पर प्रसारित होने के लिए तैयार है। अक्षय कुमार शो में बतौर होस्ट शामिल होंगे। सोनी टीवी की ओर से इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया गया, 'दुनिया के सबसे बड़े टेलीविजन गेम शो ने भारत को नमस्ते कहा है।' इसके साथ ही मेकर्स ने ये भी स्पष्ट कर दिया है कि अक्षय कुमार इस शो को होस्ट करेंगे। हालांकि, अभी तक शो की रिलीज डेट और कंटेस्टेंट के नाम सामने नहीं आए हैं।

अक्षय कुमार ने जताई खुशी

इस गेम शो से जुड़ने पर अभिनेता अक्षय कुमार ने भी खुशी जाहिर की है। एक्टर ने कहा कि 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' दुनिया भर में लाखों लोगों का पसंदीदा शो रहा है। मैं इसके भारतीय संस्करण को यहां के दर्शकों के सामने पेश करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। कई पीढ़ियों से चली आ रही शो की लोकप्रियता और पहेलियां सुलझाने का रोमांच इसे दुनियाभर में लोकप्रिय बना चुका है। मुझे भरोसा है कि भारतीय दर्शक भी इसका भरपूर आनंद लेंगे। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव के जरिए 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' भारतीय दर्शकों को अलग-अलग प्लेटफार्म्स पर शानदार तरीके से जोड़ेगा।

ये अक्षय की टीवी पर वापसी है

अक्षय कुमार इससे पहले 'खतरों के खिलाड़ी' के पहले, दूसरे और चौथे सीजन को भी होस्ट कर चुके हैं। चौथा सीजन साल 2011 में आया था। इसके अलावा वो एक कॉमेडी शो लेकर भी आए थे। हालांकि, ये ज्यादा दिन तक नहीं चला था। हाल ही में अक्षय करण जौहर के साथ 'पिच टू गेट रिच' में भी नजर आए थे। अब अक्षय दुनिया के सबसे पॉपुलर शो को लेकर आ रहे हैं।

धुरंधर के गाने शरारत के लिए तमन्ना भाटिया थीं पहली पसंद

फिर आदित्य धर ने क्यों किया रिजेक्ट?

बॉलीवुड में जब भी दमदार डांस नंबर की बात होती है, तो सबसे पहला नाम तमन्ना भाटिया का लिया जाता है। स्त्री 2 के 'आज की रात' से लेकर 'घफूर' जैसे गानों ने उन्हें स्पेशल सॉन्ग की क्वीन बना दिया है। ऐसे में जब फिल्म धुरंधर के चर्चित गाने शरारत को लेकर यह खुलासा हुआ कि तमन्ना को इस गाने के लिए रिजेक्ट कर दिया गया था, तो इंडस्ट्री से लेकर फैंस तक सभी हैरान रह गए।

पहली पसंद थीं तमन्ना

फिल्म धुरंधर के कोरियोग्राफर विजय गांगुली ने हाल ही में फिल्मी ग्यान के साथ एक इंटरव्यू में इस पूरे मामले पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि जब 'शरारत' गाने की प्लानिंग चल रही थी, तब उनके दिमाग में सबसे पहला नाम तमन्ना भाटिया का ही आया था। उनके मुताबिक, तमन्ना की स्क्रीन प्रेजेंस और डांसिंग स्टाइल इस तरह के गाने के लिए एकदम परफेक्ट बैठती थी।

फिर क्यों तमन्ना नहीं हुई कास्ट?

विजय गांगुली ने बताया कि तमन्ना का नाम डायरेक्टर आदित्य धर के सामने रखा गया था, लेकिन आदित्य इस फैसले को लेकर पूरी तरह साफ थे। उनका मानना था कि वो फिल्म में ऐसा कोई गाना नहीं चाहते, जो कहानी से हटकर सिर्फ एक स्टार पर फोकस करे। अगर गाने में तमन्ना होतीं, तो दर्शकों का ध्यान कहानी की बजाय सिर्फ उन्हीं पर टिक जाता।

कहानी को रखा स्टारडम से ऊपर

आदित्य धर ने यह तय किया कि 'शरारत' को एक पारंपरिक आइटम सॉन्ग नहीं बनाया जाएगा, बल्कि कहानी का हिस्सा रखा जाएगा। यही वजह रही कि गाने में एक नहीं, बल्कि दो कलाकारों को लिया गया। आखिरकार इस गाने के लिए आयशा खान और क्रिस्टल डिसूजा को चुना गया, ताकि फोकस किसी एक चेहरे पर नहीं, बल्कि सीन और नैरेटिव पर बना रहे।

शादी के सीन से जुड़ा था गाना

कोरियोग्राफर के मुताबिक, शरारत गाना रणवीर सिंह और सारा अर्जुन के वेडिंग रिसेप्शन सीन का हिस्सा है। उस सीन में सिर्फ डांस ही नहीं, बल्कि कई अहम कहानी मोमेंट्स भी चलते हैं। ऐसे में डायरेक्टर नहीं चाहते थे कि गाने की वजह से फिल्म की रफ्तार या कहानी का असर कमजोर पड़े।

इंटरनेट पर छाया शरारत

दिलचस्प बात यह है कि इस गाने को काफी ज्यादा पंसद किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर गाने पर अब तक कई रील्स बनाई जा चुकी हैं। शरारत गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। आयशा खान और क्रिस्टल डिसूजा की केमिस्ट्री और एनर्जी को दर्शकों ने खूब सराहा। यही नहीं, इस गाने पर सेलेब्स भी रिएक्ट कर रहे हैं।

राम गोपाल वर्मा से मिली आदित्य धर को फिल्में बनाने की प्रेरणा

फिल्म निर्माता और निर्देशक आदित्य धर की फिल्म धुरंधर अपने नाम की तरह लोगों के दिलों से लेकर बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है। हिंदी सिनेमा से जुड़ा हर शख्स फिल्म को आइकॉनिक बता रहा है। अब हिंदी फिल्मों के डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा ने फिल्म की तारीफ की और उसका जवाब देते हुए आदित्य ने उनके साथ काम करने की इच्छा जाहिर की। आदित्य का कहना है कि वे राम गोपाल वर्मा की वजह से ही फिल्में बनाना सीख पाए हैं। रंगीला और आग जैसी फिल्में बनाने वाले डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा ने फिल्म धुरंधर की तारीफ में एक के बाद एक ट्वीट किए और फिल्म को हिंदी सिनेमा का क्वांटम लीप कहा। उन्होंने लिखा, धुरंधर एक फिल्म नहीं है, यह इंडियन सिनेमा में एक क्वांटम लीप है। आदित्य धर ने अकेले ही इंडियन सिनेमा का भविष्य पूरी तरह से बदल दिया है, चाहे वह उत्तर हो या दक्षिण... ऐसा इसलिए है क्योंकि धुरंधर सिर्फ एक फिल्म नहीं है... यह एक क्वांटम लीप है। उन्होंने फिल्म को लेकर और भी बहुत कुछ लिखा। अपनी फिल्म और अपने काम की इतनी तारीफ सुनकर आदित्य धर ने राम गोपाल वर्मा को अपनी प्रेरणा बताया।

अदा शर्मा बनीं 'यूथ फॉर चेंज भारत - से नो टू ड्रग्स' अभियान की चेहरा

अभिनेत्री आदाह शर्मा को यूथ फॉर चेंज भारत – से नो टू ड्रग्स अभियान का चेहरा घोषित किया गया है। यह एक राष्ट्रव्यापी पहल है, जिसका उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ व सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। इस अभियान की शुरुआत इंदौर से हुई, जिसने युवाओं की ऊर्जा और सांस्कृतिक जुड़ाव से प्रेरित एक सशक्त आंदोलन की नींव रखी। अभियान के लिए आदाह शर्मा का चयन एक स्वाभाविक निर्णय माना जा रहा है। वर्षों से उन्होंने विभिन्न फिल्मी शैलियों में काम कर युवा दर्शकों के साथ एक मजबूत रिश्ता बनाया है। द केरल स्टोरी जैसी गंभीर फिल्मों से लेकर 1920 फ्रेंचाइज़ी में उनकी लोकप्रिय भूमिका, सनफ्लावर और कमांडो में उनके अलग अंदाज़ और रीता सान्याल में कॉमेडी तक—आदाह ने अपनी बेहतरीन बहुमुखी प्रतिभा साबित की है। चाहे तीव्र ड्रामा हो, हॉरर या हल्का-फुल्का मनोरंजन, उनकी परफॉर्मेंस हमेशा दर्शकों के दिल को छू जाती है। अभियान को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए आदाह ने कहा, मुझे इस अभियान का चेहरा चुने जाने पर बहुत खुशी है। हमने इसकी शुरुआत इंदौर, मध्य प्रदेश से की। हम यह संदेश फैलाना चाहते हैं कि असली मज़ा पैकेट या गोलियों में नहीं होता, बल्कि सबसे बेहतरीन 'हाई' नशे से दूर रहकर ज़िंदगी को पूरी तरह महसूस करने में है। ढोल बजाना बिल्कुल अचानक हुआ और मुझे बहुत मज़ा आया। लॉन्च इवेंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें आदाह एक स्थानीय बैंड के साथ ढोल बजाती नजर आ रही हैं। यह पल पूरी तरह सहज, ऊर्जावान और स्थानीय संस्कृति से जुड़ा हुआ था—जो आज के युवाओं को खासतौर पर आकर्षित करता है। यह वीडियो रेड कार्पेट और फिल्मी सेट से अलग, आम लोगों के बीच आदाह की सहज कनेक्ट को खूबसूरती से दर्शाता है। आदाह जो भी करती हैं, वह असली और भरोसेमंद लगता है—कृत्रिम नहीं। यही सच्चापन युवाओं के साथ उनके मजबूत जुड़ाव का कारण है और यही वजह है कि अभियान के आयोजकों ने उन्हें इस पहल का चेहरा बनाया।

29 साल बाद फिल्म में साथ नजर आएंगे अक्षय खन्ना और सनी देओल?

फिल्म धुरंधर में रहमान डकैत के खतरनाक किरदार के लिए अक्षय खन्ना को बहुत तारीफ मिल रही है। इसके बाद उनके करियर में एक नया और रोचक दौर शुरू हो रहा है। वे हमेशा अच्छी भूमिकाएं चुनते हैं और फिल्मों के बीच लंबा गैप लेते हैं, इसलिए लोग उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर उत्सुक रहते हैं। धुरंधर की सफलता पर अक्षय ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन उनकी अगली फिल्म की चर्चा जोरों पर है, जिसमें वह सनी देओल के साथ नजर आएंगे।

इक्का में साथ नजर आ सकते हैं अक्षय और सनी?

इंडिया टुडे की एक खबर के अनुसार, अक्षय खन्ना लगभग 29 साल बाद सनी देओल के साथ फिर स्क्रीन पर नजर आएंगे। दोनों ने आखिरी बार 1997 की फिल्म बॉर्डर में साथ काम किया था। हालांकि अभी फिल्ममेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। खबरों के मुताबिक, दोनों ने इक्का नाम की फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है।

फिल्म इक्का के बारे में

इक्का एक एक्शन-क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जो सिनेमाघरों में नहीं बल्कि सीधे नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसमें दीया मिर्जा और संजीदा शेख भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी और किरदारों के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल इक्का को लेकर सिर्फ ऑनलाइन चर्चाएं और अफवाहें हैं, कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। फिर भी, अक्षय खन्ना और सनी देओल को एक एक्शन थ्रिलर में साथ देखने की खबर ने फैंस में काफी उत्साह जगा दिया है।

भाबीजी घर पर हैं 2.0 में लौटीं शिल्पा शिंदे

भाबीजी घर पर हैं में नजर आ चुकीं शिल्पा शिंदे एक बार फिर इस शो में लंबे समय बाद अंगूरी भाभी बनकर लौटी हैं। सीरियल भाबीजी घर पर हैं 2.0 के प्रोमो में उनकी झलक भी दिखा दी गई है। बिग बॉस सीजन 11 की विनर रह चुकीं शिल्पा शिंदे ने इस शो में लौटने की वजह भी बताई है।

शिल्पा शिंदे भाबीजी घर पर हैं कमबैक

शिल्पा शिंदे 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में अपने आइकॉनिक किरदार को निभाने के लिए एक फिर से इस शो से जुड़ गई हैं। इस शो में लौटने पर वो बेहद खुश और उत्साहित भी हैं। शिल्पा ने इस शो में वापसी पर बातें की और मेकर्स से अपने पुराने विवाद को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि झगड़े तो परिवारों में ही होते हैं. एक बार जब मैंने हां कह दिया तो मैंने कामों और रिएक्शन के बारे में ज्यादा नहीं सोचा। शिल्पा ने इस शो को लेकर बातचीत की। शिल्पा की वापसी के साथ ही ये शो दर्शकों के दिलों में पुरानी यादों और रोमांच की लहरें दौड़ गई हैं। करीब एक दशक के लंबे अंतराल के बाद हाल ही में जारी प्रोमो ने शिल्पा को देखकर फैन्स का दिल बाग बाग हो गया है।

आपकी असली अंगूरी भाभी वापस आ गई

10 साल बाद इस शो में अपनी वापसी पर बातें करते हुए शिल्पा शिंदे ने कहा, 10 साल बाद अंगूरी भाभी के रूप में वापसी करना मेरे लिए वाकई एक बहुत बड़ा पल है। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं इस किरदार में वापस आऊंगी लेकिन जिंदगी का अपना तरीका होता है आपको वहीं वापस ले आने का जहां आप असल में होते हैं। ऐसा लगता है जैसे किस्मत का अपना ही प्लान था। मुझे कभी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि अंगूरी भाभी ने मुझे कभी छोड़ा हो, यहां तक कि जब मैं स्क्रीन पर उनका किरदार नहीं निभा रही थी तब भी› लोग मुझे न सिर्फ सोशल मीडिया पर, बल्कि असल जिंदगी में भी अंगूरी भाभी कहकर बुलाते रहे हैं। बहुत सारे फैंस, यहां तक कि जिन्हें मैं जानती भी नहीं थी, मुझसे मिलते और पूछते- आप अंगूरी भाभी बनकर कब आओगे? आज मैं उन्हें बताना चाहती हूं, आपकी असली अंगूरी भाभी वापस आ गई हैं।

मुझे घर जैसा महसूस होने लगा

शिल्पा आगे कहती हैं, इस वापसी को और भी खास बनाती है पूरी टीम से मिला प्यार। आसिफ, रोहितश्व, विदिशा और सभी ने मेरा इतने प्यार से स्वागत किया कि मुझे तुरंत घर जैसा महसूस हुआ। प्रोमो और मेरी वापसी की घोषणा पर मिली प्रतिक्रिया बेहद उत्साहजनक और भावुक कर देने वाली रही है। इससे मुझे यकीन हो गया है कि अंगूरी भाभी सचमुच दर्शकों की ही हैं।

मैं खुश और बेहद उत्साहित हूं

एक्ट्रेस ने कहा, इस शो के साथ चैनल एक बार फिर हल्के-फुल्के, मन को खुश कर देने वाले कॉमेडी शो लेकर आ रहा है जो दर्शकों को आज की भागदौड़ भरी दुनिया में सुकून, आराम और हंसी का मौका देता है। मैं उनके इस सपने को साकार कर रही हूं। भाभीजी घर पर है 2.0 में वही गर्माहट, मासूमियत और खुशी है, लेकिन एक नए माहौल और नई ऊर्जा के साथ। मैं आभारी, खुश और बेहद उत्साहित हूं कि दर्शक एक बार फिर अंगूरी भाभी का अनुभव कर पाएंगे।

उन्होंने गलत अफवाहें फैलाई थीं, जिन्हें सच मान लिया गया

बता दें कि शिल्पा शिंदे ने जब ये शो छोड़ा था तब उन्होंने प्रड्यूसर पर हैरेसमेंट के आरोप लगाए थे। इतना ही नहीं उन्होंने प्रड्यूसर के खिलाफ स्न्नढ्ढक्रभी दर्ज कराई थी। मेकर्स ने भी शिल्पा पर भी अनप्रोफेशनलिज्म के आरोप लगाए थे। उनसे पूछा गया था कि इतनी कॉन्ट्रॉवर्सी के बाद शो में लौटने पर उनपर सवाल उठ सकते हैं। इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, उस समय चैनल की तरफ से थर्ड पार्टी भी शामिल थी और उन्होंने गलत अफवाहें फैलाई थीं, जिन्हें सच मान लिया गया था। कॉन्ट्रैक्ट के जरिए एक शख्स ने मुझे कंट्रोल करने की कोशिश की थी। मुझे कहीं भी ज्यादा काम करने की आजादी नहीं थी । सालों तक कड़ी मेहनत करके करियर बनाने के बाद जब किरदार पर सवाल उठाए जाते हैं तो वो बर्दाश्त करना काफी मुश्किल होता है। उन्होंने कहा- मेरा मानना है कि जब दो लोग किसी चीज का हिस्सा होते हैं और उसमें जब किसी थर्ड पार्टी की एंट्री होती है तो ऐसी चीजें हो जाती हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।